RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:263 ता. 10 अप्रेल 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा

अरुणाचल के कई क्षेत्रों के नाम बदलने पर पीएम मोदी का चीन को जवाब

नई दिल्ली।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य के भारत का अभिन्न अंग होने पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह इस बात से स्पष्ट है कि केंद्र सरकार के विकास कार्य सूरज की पहली किरण की तरह अरुणाचल और पूर्वोत्तर तक पहुंच रहे हैं, पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। यह बात प्रधानमंत्री ने एक साक्षात्कार में कही। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों का नाम बदलने पर विवाद के बीच एक साक्षात्कार में पीएम नरेंद्र मोदी से पूछा कि चीन वर्षों से अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर दावा कर रहा है। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष ने भी इस मामले को लेकर केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधा है। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य सुरक्षित है और क्या यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं कि यह भारत के साथ बना रहे। पीएम ने मोदी ने जवाब में कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। आज सूरज की पहली किरण की तरह अरुणाचल और पूर्वोत्तर तक विकास के काम पहले से कहीं ज्यादा तेजी से पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा पिछले महीने विकसित भारत, विकसित पूर्वोत्तर कार्यक्रम के लिए ईटानगर का दौरा किया था जहां उन्होंने 55,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। उन्होंने सेला सुरंग का भी उद्घाटन किया था। नरेंद्र मोदी ने साक्षात्कार में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में लगभग 35,000 परिवारों को पक्के आवास मिले, और 45,000 परिवारों को पेयजल आपूर्ति परियोजना से लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि 2022 में हमने देश के बाकी हिस्सों से बेहतर हवाई संपर्क के लिए डोनयी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमने लगभग 125 गांवों के लिए नई सड़क परियोजनाएं और 150 गांवों में पर्यटन और अन्य बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाएं शुरू की हैं। सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये की उन्नति योजना भी शुरू की है जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश और नौकरियों के लिए नई संभावनाएं पैदा करेगी।

अमेठी पर कांग्रेस ने साधी चुप्पी- वाड्रा दे रहे चुनाव लड़ने के संकेत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की हॉट सीट कही जाने वाली अमेठी लोकसभा सीट इन दिनों काफी चर्चा में हैं। यहां से भाजपा की स्मृति चुनाव लड़ रहीं हैं तो कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोले हैं। लेकिन गांधी परिवार के दामाद रॉवर्ट वाड्रा इस सीट से चुनाव लड़ने के लगातार संकेत दे रहे हैं। अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि केवल अमेठी ही नहीं बल्कि देश भर से उन्हें समर्थन के फोन आ रहे हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल के जवाब में कहा कि केवल अमेठी ही नहीं पूरे देश से राजनीतिक पुकार आ रही है कि मैं सक्रिय राजनीति में आऊं। अमेठी से बात ज्यादा इसलिए उठ रही है क्योंकि मैंने 1999 से वहां लोगों के बीच प्रचार किया और वहां पोस्टर भी लगने शुरू हुए। अब दूसरी जगह भी पोस्टर लग रहे हैं क्योंकि सबको लग रहा है कि आप हमारी तरफ से आइए, हमारे क्षेत्र से आइए क्योंकि हमने आपकी मेहनत देखी है। आप गांधी परिवार के सदस्य हैं, उन्होंने देखा है कि गांधी परिवार ने इस देश के लिए कितना किया है, करते आए हैं और करते रहेंगे। उनको लगा कि अगर इस चुनाव में मैं अमेठी से लडूं तो वहां जो उन्होंने गलतियां की हैं। स्मृति ईरानी को सांसद बनाने की जो भूल चूक हुई है। उससे वो आगे बढ़ेंगे और मुझे भारी बहुमत से जिताएंगे। लेकिन, मैं किसी को चुनौती देने के लिए नहीं लडूंगा। रॉबर्ट वाड्रा ने आगे कहा कि अमेठी के लोगों को लगा कि अगर मैं राजनीति में आता हूं तो मैं उन्हें उन्हीं के लेवल पर जवाब दे पाऊंगा। मेरी मेहनत जारी है और आगे अगर लोगों को लगेगा कि मैं बदलाव ला सकता हूं और कांग्रेस को लगेगा कि मुझे आना चाहिए, परिवार का आशीर्वाद रहेगा तो मैं जरूर सक्रिय राजनीति में आऊंगा।वहीं, राहुल गांधी के वायनाड के साथ अमेठी या रायबरेली से चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को लगेगा कि मैं सक्षम हूं या बदलाव ला सकता हूं, जो लोग चाहते हैं और देखते हैं कि जहां भी मैं रहूंगा जिस भी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करूंगा, उसमें बदलाव रहेगा और जरूर एक सेक्युलर एरिया रहेगा। जो बेरोजगारी के मुद्दे हैं, महिला सुरक्षा या जब भी कोई ऐसा मुद्दा आता है देश में, तो मैं जरूर लोगों के बीच जाकर उनकी आवाज बुलंद करता हूं। अपने सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचता हूं या अपने धार्मिक दौरे या चैरिटी के दौरे जो देशभर में करता हूं, उसमें जाकर लोगों से मिलता हूं।

कांग्रेस, एनसी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तीन-तीन उम्मीदवार उतारेंगी

- नेशनल कॉन्फ्रेंस उधमपुर, जम्मू और लद्दाख सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों का समर्थन करेगी

श्रीनगर । कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में लोकसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे समझौते को अंतिम रूप दिया। गठबंधन की शर्तों के अनुसार दोनों पार्टियां जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तीन-तीन उम्मीदवार उतारेंगी। एनसी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कांग्रेस उधमपुर, जम्मू और लद्दाख लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एनसी अनंतनाग-राजौरी, श्रीनगर और बारामूला में अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहो कि मैं औपचारिक रूप से घोषणा करना चाहता हूं कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस संयुक्त रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दोनों दलों के तीन-तीन उम्मीदवार उतारकर चुनाव लड़ेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस उधमपुर, जम्मू और लद्दाख सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। इंडिया गठबंधन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करने के लिए चुनाव लड़ेंगे और संसद में उनका सही प्रतिनिधित्व करेंगे। कांग्रेस और एनसी नेताओं के बीच विचार-विमर्श के बाद सीट-बंटवारे समझौते को अंतिम रूप दिया गया। दिल्ली में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस सीट शेयरिंग कमेटी के सदस्य सलमान खुर्शीद भी मौजूद थे। खुर्शीद ने कहो कि पीडीपी हमारे गठबंधन में है। सीटों का समायोजन गठबंधन का एक हिस्सा है और समग्र गठबंधन एक अलग मुद्दा है। चूंकि जम्मू-कश्मीर क्षेत्रफल में छोटा है, इसलिए हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद सीट समायोजन की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। पीडीपी ने अनंतनाग-राजौरी सीट पर एनसी के मियां अल्ताफ अहमद के खिलाफ अपनी प्रमुख महबूबा मुफ्ती को मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा` कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास पहले से ही तीन लोकसभा सांसद हैं और हमने उन्हें एक मौका देने का फैसला किया है।

अयोध्या से जनकपुरी तक 110 की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन, रुट मैप हुआ तैयार

अयोध्या। अयोध्या से जनकपुरी के लिए रेलवे एक सीधी ट्रेन की शुरुआत करने जा रहा है। हालांकि अभी इसका लगभग संचालन शुरु हो गया है और अयोध्या धाम से गोरखपुर होते हुए नेपाल के जनकपुर तक इसे 110 की गति से संचालित करने की तैयारी की गई है। इसके लिए एनआर और एनईआर के साथ ईसीआर ने रूट तैयार कर लिया है। बस आईआरटीसी की बैठक में अंतिम मुहर लगनी बाकी है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक यातायात की ओर से 29 फरवरी को जारी पत्र के अनुसार, एनईआर और एनआर को जल्द शेड्यूल बनाकर बोर्ड को भेजना था। पत्र के क्रम में तीनों रेलवे ने अपने-अपने की टाइमिंग तैयार कर ली है। इस पर जयपुर में 10 से 12 अप्रैल तक होने वाली इंडियन रेलवे टाइम टेबल कमेटी बैठक में चर्चा होगी। जानकारी के अनुसार, यह ट्रेन अयोध्या से चलकर गोरखपुर-पनियहवा होते हुए जनकपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन से भारत और नेपाल के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत मिलेगी। साथ ही पर्यटन भी बढ़ेगा। देश के किसी शहर से भारतीय रेलवे की जनकपुर तक अभी कोई सीधी ट्रेन सेवा नहीं है। भारतीय सीमा में जयनगर आखिरी स्टेशन है। वहीं तक ट्रेनें जाती हैं। जयनगर से जनकपुर धाम तक भारत की मदद से नेपाल रेलवे मैत्री सेवा के रूप में दो जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों का संचालन कर रहा है। अभी सीतामढ़ी से अयोध्या तक मात्र एक ट्रेन अमृत भारत है, जो सप्ताह में एक दिन चलती है। नई ट्रेन शुरू हो जाने से यात्रियों को सीतामढ़ी के साथ ही जनकपुरधाम तक की यात्रा में सहूलियत होगी। बता दें कि उधर, नेपाल के साथ ही भारतीय दूतावास ने भी अपने स्तर पर इस ट्रेन के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पाकिस्तानी ड्रोन से खेतों में फेंका गया हैरोइन का पैकेट बरामद

दीनानगर ।

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा। लगातार सीमायी क्षेत्रों में नशा तस्करों के लिए हैरोइन फैंकने का सिलसिला जारी है। गत दिवस बीओपी चौड़ा की भारतीय सरहद में पाकिस्तान ड्रोन की आवाज सुनी लेकिन ड्यूटी पर तैनात जवानों को देख ड्रोन वापिस पाकिस्तान की तरफ चला गया। बताया जा रहा है कि डीएसपी दीनानगर सुखविंदर पाल सिंह के नैतृत्व में पंजाब पुलिस फोर्स और बीएसएफ के जवानों द्वारा सांझे तौर पर इलाके में सर्च अभियाना चालाया गया था। इस सर्च अभियान तहत गांव चौतरा में एक किसान के खेतों में एक पैकेट हैरोइन बरामद हुआ है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीएसपी दीनानगर सुखविंदर पाल सिंह ने बताया कि यह पैकेट पीले टेप में लिपटा हुआ था जब इसे खोला गया तो इसमें से 530 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। बता दें कि पाकिस्तानी तस्कर अब हथियारों और ड्रग्स की आपूर्ति के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिसके चलते आए दिन सीमा के अंदर पाकिस्तान की आतंकी हरकतें देखी जा रही हैं लेकिन समय-समय पर इन ड्रोन को बीएसएफ के जवान पूरी तरह से नाकाम कर रहे हैं कभी ड्रोन को मार गिराया जाता है तो कभी वापस भागने पर मजबूर कर दिया जाता है।

कोर्ट से केजरीवाल को तगड़ा झटका

-दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका, तिहाड़ जेल में ही रहना होगा

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तगड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में सीएम केजरीवाल ने गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए एक याचिका अदालत में पेश की थी, जिसे मंगलवार को खारिज कर दिया। इससे यह तय हो गया कि केजरीवाल अभी तिहाड़ जेल में ही रहकर सरकार चलाएंगे।

मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की याचिका पर फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी। जस्टिस शर्मा ने कहा, कि यह मामला जमानत पर सुनवाई का नहीं है, बल्कि गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाला है। ईडी के तथ्य केजरीवाल को घोटाले की साजिश में शामिल होने का आरोपी मानते हैं। ईडी ने अदालत में यह भी कहा कि केजरीवाल व्यक्तिगत और 'आप' संयोजक दोनों ही तौर पर शराब घोटाले की साजिश में शामिल थे। जस्टिस शर्मा ने कहा कि केजरीवाल गवाह के बयानों को खारिज नहीं कर सकते, लेकिन उस पर क्रॉस एग्जामिन जरूर कर सकते हैं।

जस्टिस शर्मा ने सीएम केजरीवाल की उस दलील को भी खारिज कर दिया जिसमें गिरफ्तारी की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाए गए थे। सख्त लहजे में जज ने कहा, कि कोर्ट राजनीति का अखाड़ा नहीं है, यहां कानून चलता है, राजनीति नहीं। सीएम समेत सभी के लिए कानून बराबर हैं। गौरतलब है कि इससे पहले 21 मार्च को ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद अदालत ने ईडी की हिरासत के बाद 1 अप्रैल को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, तभी से वो तिहाड़ जेल में बंद हैं।

संबंधित मामला साल 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से जुड़ा हुआ है। खास बात यह है कि यह नीति रद्द की जा चुकी है।

कर्नाटक सीएम की सुरक्षा में चूक, पिस्टल लेकर माला पहनाने पहुंचा शख्स

बेंगलुरु।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के रोड शो में सुरक्षा में भारी चूक हुई। रोड शो के दौरान एक शख्स अपनी कमर पर पिस्तौल लगाकर सीएम के पास पहुंच गया। जहां उसने सीएम सिद्धारमैया के पास खड़े परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी को माला पहनाई। दरअसल, सिद्धारमैया सोमवार को भैरासांद्रा में कांग्रेस की लोकसभा उम्मीदवार सौम्या रेड्डी के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। उसी दौरान एक शख्स गाड़ी पर चढ़ गया। उसकी कमर पर पिस्टल लटकी हुई थी। वह वाहन पर चढ़ने के बाद कांग्रेस के समर्थन में नारेबाजी करने लगा और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी और उनकी बेटी सौम्या रेड्डी को माला पहनाई। इसके बाद वह वाहन से उतरा तो सिद्धारमैया और अन्य लोगों उसकी कमर पर लगी पिस्तौल को देख हैरान गए। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में ऐसी चूक किसी घटना का सबब बन सकती थी। वाहन से जैसे ही वह शख्स नीचे उतरा तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उस शख्स की पहचान रियाज के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कुल साल पहले रियाज पर एक जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद वह अपने साथ बंदूक लेकर चलता है और उसे अपनी बंदूक सरेंडर करने से छूट दी गई है। वहीं, इस घटना के बाद भाजपा ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा कि जन्मदिन पर पोस्टरों में नजर आने वाले बंदूकधारी अब रैलियों में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ बंदूकों, मालाओं के साथ समाज के सामने खड़े हो रहे हैं। हालांकि, चुनाव आचार संहिता लागू है लेकिन वो बंदूक ले जा रहे हैं और क्षेत्र में मतदाताओं को डराने के लिए इस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं।

अमेरिका के सामने रोया पाकिस्तान, भारत घर में घुस कर मार रहा

- विवाद न बढ़ाए, दोनों देश बैठकर निकालें सभी मसलों का हलः अमेरिका

नई दिल्ली।

पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया था कि पाकिस्तान की जमीन पर भारत द्वारा दो लोगों को टारगेट कर मार दिया गया है। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को निराधार बताया था। अब इस मामले में अमेरिका का भी रिएक्शन आया है। अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान को सलाह दी है कि किसी तरह का विवाद न बढ़ाएं और बैठकर सभी मसलों का हल निकालें। इससे पहले ब्रिटेन की एक रिपोर्ट में दावा किया था कि भारत बड़े मिशन पर जुटा है। इसके तहत वह पाकिस्तान में अपने एजेंट्स के माध्यम से आतंकियों का सफाया कर रहा है। भारत ने ऐसी किसी भी रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और पाकिस्तान द्वारा लगाए आरोप को भी निराधार बताया था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका इस मामले में मीडिया रिपोर्ट्स पर नजर रख रहा हैं। जिन आरोपों की बात की जा रही है, अमेरिका उन पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा, लेकिन अमेरिका भारत-पाकिस्तान से कहते हैं कि इस विवाद को बढ़ाया न जाए। बातचीत से ही इसका समाधान निकाला जाए। इस तरह अमेरिका ने पाकिस्तान को चेताया है, जो भारत पर बिना वजह आरोप लगाकर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहता था। ऐसे में अमेरिका का सधा हुआ रिएक्शन पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फेर गया। बता दें कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट के बाद भारत पर आरोप लगाए थे। पाकिस्तान ने कहा था कि भारत का नेटवर्क दुनिया भर में न्यायिक प्रक्रिया से परे लोगों की हत्याएं करा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि भारत अपनी व्यापक रणनीति के तहत पाकिस्तान में आतंकवादियों का खात्मा कर रहा है। इस मामले ने जब और तूल पकड़ लिया, जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यदि कोई आतंकवादी भारत को निशाना बनाता है और कहीं छिप जाता है तो हमें उसे घुसकर मारेंगे।

महाराष्ट्र में ठाकरे गुट 21, शरद पवार 10 और कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ेगी

मुंबई ।

लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में एमवीए यानी महा विकास अघाड़ी गठबंधन के बीच सीट शेयरिंग पर बात फाइलन हो गई है। कौन-कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इसका भी ऐलान हो गया है।

एमवीए में सीट शेयरिंग के जिस फॉर्मूले का ऐलान हुआ है, उसके तहत, उद्धव ठाकरे की शिवसेना सबसे अधिक 21 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, वहीं कांग्रेस 17 और शरद पवार गुट 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ठाकरे, शरद पवार, नाना पटोले और बालासाहेब थोराट ने प्रेसवार्ता कर एमवीए में सीट शेयरिंग का ऐलान किया। सांगली सीट जहां शिवसेना के खाते में गई है, वहीं भिवंडी पर एनसीपी (शरद गुट) चुनाव लड़ेगा। पहले इस सीट पर कांग्रेस अपनी दावेदारी पेश कर रही थी, मगर अब स्पष्ट हो गया है कि इन दो सीटों पर कांग्रेस नहीं लड़ेगी। नाना पटोले ने कहा कि हमने बड़ा मन करके सीट शेयरिंग का आज एलान किया है। उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचारी सरकार है, उसे हटाना है। सांगली और भिंवडी में हमारे कार्यकर्ता शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) के लिए जरूर काम करने वाले हैं। कांग्रेस का मत शिवसेना और एनसीपी को जरूर ट्रांसफर होगा। अब भिवंडी और संगली का विषय खत्म हो गया है।

किसके हिस्से में कौन सी सीट आई?

- कांग्रेस (17 सीट): नंदुरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर,भंडारा-गोंदिया, गड़चिरौली, चंद्रपुर, नांदेड़, जालना, मुम्बई नार्थ सेंट्रल, पुणे, लातूर, सोलापुर, कोल्हापुर, रामेटक, नार्थ मुम्बई।
- एनसीपी (10 सीट): बारामती, शिरूर, सातारा, भिवंडी, दिंडोरी, माढा, रावेर, वर्धा, अहमनगर दक्षिण, बीड।
- शिवसेना (उद्धव 21 सीट): जलगांव, परभणी, नासिक, पालघर, कल्याण, ठाणे, रायगड, मावल, धाराशिव, रत्नागिरी, बुलढाणा, हतकडंगले, संवहाजिंगर, सांगली, हिंगोली, यवतमाल, मुम्बई नार्थ पश्चिम, मुम्बई दक्षिण मध्य, दक्षिण मुम्बई, मुम्बई नॉर्थ ईस्ट।

12 अप्रैल का रोड शो कर पीएम मोदी देंगे संदेश दौसा विकास से अछूता नहीं

दौसा ।

चुनावी रण में विरोधियों को मात देने उतर चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 अप्रैल को दौसा में रोड शो की व्यापक स्तर पर तैयारी हो रही है। पीएम मोदी ने इस बार मिशन 25 के तहत पूर्वी राजस्थान को साधने के लिए दौसा को चुना है। इससे दौसा की सीट को अहम माना जा रहा है। दौसा में पहली बार किसी प्रधानमंत्री का रोड शो हो रहा है। इस चुनावी कैंपेन में मोदी दौसा जैसी छोटी जगह पर आकर लोगों को सबका साथ सबका विकास का संदेश दे सकते हैं। हाल ही में स्वीकृत ईआरसीपी से पूर्वी राजस्थान के होने वाले विकास की तस्वीर का खाका लोगों के जेहन में बैठा कर वोटो की फसल काटना चाहते हैं। पानी की वजह से औद्योगिक रूप से पिछड़े दौसा में रोड शो कर वह यह भी संदेश दे सकते हैं कि उनकी नजर में कोई इलाका विकास से अछूता नहीं रहेगा। विधानसभा चुनाव से पहले यहां कांग्रेस ने ईआरसीपी के मुद्दे को चुनावी हथियार बनाया था। लेकिन राजस्थान में भजनलाल की सरकार बनने के बाद ही ईआरसीपी को मंजूरी देकर पीएम मोदी ने कांग्रेस का अस्त्र ही उसके खिलाफ उपयोग में ले लिया। इसके साथ दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे के चालू होने से यहां आने वाले समय में औद्योगिक परिदृश्य का आईना दिखाने की भी मोदी कोशिश कर सकते है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखा रहे मोदी दौसा जिले में पेपर लीक माफिया की गिरफ्तारी को भी भुनाना चाहते है। दौसा में रोड शो कर प्रधानमंत्री मोदी टोंक-सवाई माधोपुर, धौलपुर-करौली, भरतपुर, अलवर, जयपुर ग्रामीण के मतदाताओं को साधने का काम करने वाले हैं। इसके बाद पीएम मोदी का यह दौरा अहम माना जा रहा है। ट्राइबल एरिया होने के कारण यहां आरक्षण से छेड़छाड़ का मुद्दा भी उछाला जा रहा है। इसके बाद वह आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं होने देने की गारंटी का संदेश भी दोहराना चाहते हैं। कभी कांग्रेस का मजबूत किला रही दौसा की यह सीट पिछले दो चुनाव से भाजपा की झोली में आई है।

इस मोदी किसी भी सूरत में वापस नहीं जाने देना चाहते है। भाजपा के चुनावी कैंपेन की अब तक रही रणनीति को देखकर भी यही लगता है। टिकट वितरण से पहले दावेदारों की आपसी खींचतान एवं संगठन के स्तर पर गुटबाजी को देखते हुए पार्टी यहां कोई रिस्क नहीं लेना चाहेगी। यहां लोकसभा चुनाव में राजस्थान के प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, लोकसभा दौसा प्रभारी राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सह प्रभारी विष्णु चेतानी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, डॉक्टर किरोडी लाल मीणा सहित कई नेताओं ने अब तक कैंपेन किया है।

सीएम भजनलाल का भी दौरा तय है। इसके बाद भाजपा का दौसा सीट पर विशेष फोकस दिखाई दे रहा है। कांग्रेस के स्टार प्रचारक सचिन पायलट भी महुआ व थानागाजी विधानसभा क्षेत्र में सभाएं कर रहे हैं। कांग्रेस ने अभी राष्ट्रीय स्तर के किसी अन्य नेता को दौसा में लाने की घोषणा नहीं की है।

लेकिन इस चुनावी घमासान में भाजपा के जवाब में कांग्रेस भी बड़े नेताओं की रैली व सभाएं करेगी। बता दें कि कांग्रेस ने दौसा विधायक व पूर्व मंत्री मुरारी लाल मीणा को यहां अपना प्रत्याशी बनाया है।

संस्कारवान और क्षमतावान बनाने भाजपा ने बनाई राजनीतिक संहिता

- कांग्रेस व दूसरे दलों को छोड़ भाजपा में आए नेताओं की होगी परीक्षा

देहरादून। कांग्रेस और अन्य दलों को छोड़कर भाजपा की सदस्यता लेने वाले नेताओं की अब परीक्षा होगी और इसमें उन्हें सक्रियता दिखानी होगी। पार्टी अब भाजपा में शामिल हुए नेताओं को भगवामय बनाएगी। अपनी रीति-नीति में ढालने इन्हें संस्कारवान और क्षमतावान बनाने के लिए भाजपा ने राजनीतिक संहिता बनाई है, जिसका पालन करते हुए उन्हें खरा उतरना होगा। इन नेताओं को गले में भाजपा का पटका, सिर पर टोपी और हाथ में पार्टी का साहित्य लेकर जनता के बीच जाना होगा। भाजपा ने राज्य में लोकसभा की प्रत्येक सीट पर पांच लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत का लक्ष्य रखा है। इस दृष्टि से पार्टी ने दूसरे दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए अपने दरवाजे खोले हैं। पंचायत व निकायों के प्रतिनिधियों, विभिन्न दलों के प्रांत से लेकर जिला, ब्लाक व शहर इकाइयों के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की लंबी सूची है। भाजपा का दावा है कि अभी तक अन्य दलों के 15 हजार से ज्यादा लोग भाजपा की सदस्यता ले चुके हैं और यह सिलसिला जारी है। अब भाजपा में आए हैं तो उन्हें खाली तो बैठाया नहीं जा सकता। इसके लिए भाजपा ने इन सभी के लिए लोकसभा चुनाव में काम भी निर्धारित कर दिया है। ये अब गांव-गांव जाकर नुक्कड़ सभाएं तो करेंगे ही, प्रत्येक मतदाता से संपर्क साधकर केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं की जानकारी देंगे। प्रदेश भाजपा के सूत्रों के अनुसार जो भी लोग दूसरे दलों से भाजपा में आए हैं, उन्हें पार्टी की रीति-नीति में ढलने के दृष्टिगत भाजपा का साहित्य पढ़ने को दिया गया है। ये नेता या कार्यकर्ता जब जनता के बीच जाएं तो उनके गले में कमल के फूल वाला भाजपा का पटका, सिर पर टोपी और हाथ में भाजपा शासित केंद्र एवं राज्य सरकारों की उपलब्धियों की जानकारी देने वाली पुस्तकें हों। जल्द ही भाजपा में शामिल हुए प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं की वर्चुअल बैठक होगी, जिसमें उन्हें लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत कार्य दिए जाएंगे।

रूपाला के समर्थन में आया राजघराना, क्षत्रिय समाज से रूपाला को माफ करने की अपील

राजकोट । केन्द्रीय मंत्री और राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार पुरषोत्तम रूपाला की विवादित टिप्पणी को लेकर अब राजकोट का राजघराना उनके समर्थन में आ गया है। राजघराने ने क्षत्रिय समाज और भाजपा से जनहित को ध्यान में रखते हुए समस्या का कोई सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने की अपील की है। जानकारी है कि अब तक । राजघरानों ने आंदोलन को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है, वहीं राजकोट राजघराने के मांधाता सिंह ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खास अपील की है। उन्होंने क्षत्रिय समाज के लिए की गई अपनी टिप्पणी पर खेद जताया है। लेकिन साथ ही उन्होंने क्षत्रिय समाज और भाजपा से अपील की कि वे जनहित को ध्यान में रखते हुए इस समस्या का कोई सौहार्दपूर्ण समाधान निकालें। राजकोट से क्षत्रिय समाज आंदोलन शुरू होने के बाद पहली बार राजकोट राजपरिवार मीडिया के सामने आया है। उन्होंने मीडिया के माध्यम से अपील की कि हमें सामाजिक एकता और अखंडता बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए और किसी भी रूप में समाज में शत्रुता पैदा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुरषोत्तम रूपाला और सीआर पाटिल ने माफी मांग ली है। इसलिए क्षत्रिय समाज को बड़े दिल से माफ कर देना चाहिए। हम लोकतंत्र में विश्वास रखने वाला समाज हैं और इसलिए हमें किसी भी कानूनी व्यवस्था को हाथ में लिए बिना बहुत ही सभ्य तरीके से अपनी मांगों को व्यक्त करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल में तैनात होंगी सीआरपीएफ की 100 और कंपनियां

- चुनाव आयोग के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव का पहले चरण 19 अप्रैल को होना है इसको लेकर चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जरूरी कार्रवाई कर रहा है। चुनाव आयोग ने आज गृह मंत्रालय को पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की 100 और कंपनियां तैनात करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ की 55 कंपनियां और सीमा सुरक्षा बलों की 45 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। अधिकारियों को 15 अप्रैल या उससे पहले पश्चिम बंगाल में सीआरपीएफ की अतिरिक्त 100 कंपनियों की तैनाती पूरी करने का निर्देश जारी कर दिया है। इससे पहले सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं ने बंगाल में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। इस मामले में टीएमसी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों को लेकर चुनाव आयोग से मुलाकात की। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से मांग की कि सीबीआई, एनआईए, ईडी और आयकर विभाग के प्रमुखों को बदला जाए। मालूम हो कि टीएमसी लगातार आरोप लगाती रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के इशारे पर विपक्षी दलों को निशाना बना रही हैं। बता दें पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के भूपतिनगर में शनिवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम पर हमला हुआ। एनआईए अधिकारी टीएमसी के एक नेता के घर पर 2022 में हुए विस्फोट मामले की जांच के लिए वहां पहुंचे थे, तभी उग्र भीड़ ने उनकी कार पर पथराव कर दिया था, जिससे गाड़ी की विंडस्क्रीन टूट गई थी। इस घटना में एक अधिकारी घायल हो गया था।

(राजकोट)सौराष्ट्र की सीट को लेकर बड़ी खबर पुरुषोत्तम रूपाला के खिलाफ परेश धानाणी लड़ सकते हैं चुनाव

राजकोट । सौराष्ट्र की राजकोट सीट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। राजकोट सीट पर केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला भाजपा उम्मीदवार हैं। अब खबर सामने आई है उनके खिलाफ कांग्रेस नेता परेश धानाणी चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। परेश धानाणी के निवास पर कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई थी। जिसके बाद परेश धानाणी ने कहा कि मैं कार्यकर्ताओं को निराश नहीं कर सकता। अगर कांग्रेस आदेश देती है तो वह राजकोट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वाभिमान की लड़ाई है। अगर राजकोट सीट पर परेश धानाणी चुनाव लड़ते हैं तो यहां लेउवा और कडवा पाटीदारों के बीच मुकाबला होना तय है। बता दें कि राजकोट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में लेउवा पाटीदारों का दबदबा है। जबकि पुरुषोत्तम रूपाला कडवा पाटीदार हैं। हांलाकि अब तक परेश धानाणी चुनाव लड़ने से इंकार रहे थे, लेकिन कांग्रेस हाईकमान खासकर राहुल गांधी के कहने और गुजरात कांग्रेस के नेताओं के समझाने पर वह राजकोट सीट से चुनाव लड़ने को तैयार हुए हैं। अगर राजकोट सीट से परेश धानाणी कांग्रेस उम्मीदवार होते हैं तो भाजपा प्रत्याशी पुरुषोत्तम रूपाला की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यह वही परेश धानाणी हैं जिन्होंने वर्ष 2002 के गुजरात विधानसभा की अमरेली सीट से चुनाव में भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला को 16000 हजार से अधिक वोटों से हराया था।

तिरुपुर में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुपुर में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। कुछ घायल भी हुए हैं। जिस कार में ये लोग सवार थे, उसकी बस से टक्कर हो गई। हादसे में घायल लोगों को गंभीर अवस्था में तिरुपुर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों और घायलों को कार से बाहर निकालने के लिए पुलिस को क्षतिग्रस्त कार को तोड़ना पड़ा।

नवरात्र पर खडगे, गांधी, प्रियंका ने देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को नवरात्र पर्व पर शुभकामनाएं देकर सभी की खुशहाली की कामना की है। श्री खडगे ने कहा आदिशक्ति, माँ दुर्गा की आराधना के महापर्व चैत्र नवरात्रि स्थापना के शुभ मौके पर सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं। मेरी आशा है कि यह महापर्व आप सभी के जीवन में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली का संचार करेगा और सभी पर देवी माँ की कृपा बनी रहेगी। श्री गांधी ने कहा नव वर्ष, नव उमंग, नव उल्लास। गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रि, उगादी, चेइराओबा, चेटीचंड और सजीबू त्यौहार की समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नया साल आप सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि लेकर आए। श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा सर्वास्त्रधारिणी सर्वशास्त्रमयी सर्वमंत्रमयी जगतजननी जगदम्बा आदिशक्तिस्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के पावन पर्व चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।

आलू के कोल्ड स्टोर में चल रही थी नकली तंबाकू फैक्ट्री

पुलिस ने छापा मार 10,000 किलो नकली तम्बाकू किया जब्त, 6 आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने एक नकली तम्बाकू बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर 10,000 किलो नकली तंबाकू बरामद किया है। वहां से छह लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। यह फैक्ट्री आलू के कोल्ड स्टोरेज की आड़ में चलाई जा रही थी। नोएडा के थाना सेक्टर-126 पुलिस और सीआरटी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तंबाकू फैक्ट्री पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक बच निकलने में कामयाब हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से करीब 10 हजार किलो नकली तंबाकू बरामद किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पिछले काफी समय से नकली तंबाकू को मार्केट में असली बताकर बेच रहे थे। जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने फैक्ट्री को आलू का कोल्ड स्टोर बना रखा था। आरोपी कोल्ड स्टोरेज की आड़ में नकली तंबाकू बनाकर बेचने का धंधा कर रहे थे।

पुलिस ने मौके से आलू के कई बोरे बरामद किए हैं और एक ट्रक भी बरामद किया है। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है और इस गिरोह के फरार लोगों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस पता लगा रही है कि यह नकली तंबाकू किन-किन लोगों को और किन राज्यों में सप्लाई किया जा रहा था।

काजू के गोदाम में रखी जिलेटिन की छड़ में हुआ तेज विस्फोट

चार किलोमीटर तक चुनाई दी धमाके की आवाज

पणजी ।

गोवा घूमने जाने वाले पर्यटक काजू के बागान देखने भी जरूर जाते हैं। उत्तरी गोवा जिले के एक गांव में स्थित काजू बागान में सोमवार की शाम को बेहद तेज धमाका हुआ, इस धमाके ने सभी को सन्न कर दिया।

धमाका इतना तेज था कि 4 किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी। धमाका इतना तेज था कि आसपास के कई घरों में दरारें आ गईं। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार, अंसोलेम गांव में निजी काजू बागान के एक गोदाम में रखी जिलेटिन की छड़ में आठ बजे विस्फोट हो गया। पुलिस एक अधिकारी ने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन विस्फोट के कारण बागान के आसपास के कई मकानों में दरारें आ गईं और जहां विस्फोटक रखा गया था, वह ढांचा ढह गया। पुलिस ने अंसोलेम गांव में नसीर हुसैन जामदार के स्वामित्व वाले काजू बागान में विस्फोट के बाद उस गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कैसे खरीदा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आसपास के इलाकों में स्थित स्टोन क्रशर संयंत्रों में जिलेटिन विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जा रहा था। स्थानीय विधायक देविया राणे ने पोस्ट में कहा कि दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। राणे ने कहा, 'लोगों को सूचित किया जाता है कि हमें भिरौंडा पंचायत के अंसोलेम गांव में विस्फोट की सूचना मिली है। घटनास्थल पर किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पिता ज्योतिरादित्य के लिए धुंआधर प्रचार कर रहे महाआर्यमन सिंधिया

बैलगाड़ी में बैठकर चुनाव प्रचार के लिए निकले

गुना ।

मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। इसके बाद मतदाताओं को लुभाने के लिए नेताओं की प्रचार-प्रसार बढ़ गए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं की अजब-गजब तस्वीरें आ रही है।

इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वे बैलगाड़ी में बैठे दिखाई दिए। बता दें कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना शिवपुरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें जिताने के लिए उनके पुत्र महाआर्यमन भी धुंआधार प्रचार कर रहे हैं।

दरअसल, महाआर्यमन चुनावी प्रचार को लेकर गुना जिले की बमोरी विधानसभा के कॉलोनी गांव में बैलगाड़ी से पहुंचे। यहां उन्होनें युवाओं और महिलाओं से संवाद भी किया। इतना ही नहीं उन्होनें अपने हाथों से लोगों को भोजन भी परोसा और लोगों से चुनावी चर्चा कर बीजेपी को वोट देने की अपील की। महाआर्यमन दो दिनों के लिए गुना के प्रवास पर थे। इस मौके पर उन्होनें गुना के निजी गार्डन में क्षेत्र के युवाओं को संबोधित किया। इस दौरान महाआर्यमन उदासी आश्रम बालाजी मंदिर पर भी पहुंचे। जहां उन्होनें बालाजी के दर्शन कर अपने पिता की जीत के लिए कामना की। इसके बाद बाजार में खरीददारी कर यूपीआई से पेमेंट किया। इस मौके पर उन्होंने प्रसिद्ध हनुमान टेकरी पहुंचकर बजरंग बली के दर्शन भी किए।

भाजपा की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लगाए आरोप

नयी दिल्ली।

लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी का प्रचार करने पीलीभीत गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा से पहले मंगलवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा-आज, प्रधानमंत्री मोदी यूपी में हैं। यह एक ऐसा राज्य है जहां युवाओं को भाजपा की डबल इंजन सरकार ने धोखा ही धोखा दिया है। शायद आज पीएम मोदी अपने दिखावटी भाषणों से राज्य के युवाओं की इन समस्याओं पर बात करें। रमेश ने कहा पिछले साल मुख्यमंत्री योगी ने वादा किया था कि वह अगले 3-4 सालों में यूपी में दो करोड़ नई नौकरियों के अवसर पैदा करेंगे। याद करें, यह वही वादा है जो पीएम मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सत्ता में आने से पहले किया था। रमेश ने आगे लिखा-हम जानते हैं कि क्या हुआ-बेरोजगारी ने सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों ने दो करोड़ नौकरी देने के वादे के अनुसार पिछले दशक में क्या किया है? उन्होंने यह प्रश्न भी किया कि प्रधानमंत्री के सहयोगी अब वही वादे क्यों कर

रहे हैं जिन्हें प्रधानमंत्री पूरा करने में विफल रहे हैं? उन्होंने जानना चाहा कि यूपी और भारत के रिकॉर्ड बेरोज़गारी संकट को हल करने के लिए भाजपा के पास क्या दृष्टिकोण है? रमेश ने दावा किया कि पिछले कुछ सालों में सरकारी पदों पर भर्ती के लिए हुई परीक्षाओं के कम से कम 43 पेपर लीक हुए हैं, जिससे कम से कम दो करोड़ उम्मीदवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में, उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द होने से 60 लाख आवेदकों का भविष्य ख़तरे में पड़ गया। रमेश ने कहा कि युवा न्याय गारंटी के तहत, कांग्रेस पेपर लीक को रोकने के लिए मजबूत कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

10 साल बाद चौधरी बीरेंद्र सिंह ने पत्नी सहित की कांग्रेस में घर वापसी

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के दिग्गत नेता और केंद्र में मंत्री रहे चौधरी बीरेंद्र सिंह ने लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा को अलविदा कह दिया है। मंगलवार को उन्होंने पत्नी प्रेम लता सहित कांग्रेस का दामन थामा है। दिल्ली में कार्यक्रम के दौरान बीरेंद्र सिंह ने पूर्व विधायक पत्नी के साथ कांग्रेस का दामन था। इससे पहले, उनके पूर्व सासंद बेटे ने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया था।

दिल्ली में उनके कांग्रेस में शामिल होने के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान भी मौजूद रहे। कांग्रेस में शामिल होने के ठीक बाद बीरेंद्र सिंह ने कहा कि

धुरंधर और बीरेंद्र का आपने जो शब्द इस्तेमाल किया है, इस बात अंदाजा लगा लीजिए कि कांग्रेस एक बड़ी शक्ति के रूप में आगे बढ़ेगी। कार्यकर्ता मजबूती से कदम आगे बढ़ाएंगे और आने वाले लोकसभा चुनाव में बहुत बड़े स्तर पर हवा चल रही है। सिंह ने कहा कि अगर कांग्रेस के बैंक अकाउंट सील करने थे, तब साल भर पहले करतेज्ऐसा चुनाव के समय क्यों किया गया। आम जनता को पता है कि यह बहुत बड़ी ज्यादती हो रही है। कांग्रेस में शामिल होने पर बीरेंद्र सिंह ने कहा कि 'हरियाणा में बीजेपी ने 10 साल में किसी को अपना नहीं बनाया ओर बोले कि मेरी घर वापसी नहीं, विचारधारा की वापसी है। बीरेंद्र सिंह हरियाणा के जींद से हैं। वह पांच बार के विधायक रहे हैं। 2014 में उन्होंने कांग्रेस को अलविदा कहकर भाजपा का दामन थामा था। 10 साल बाद अब कांग्रेस में उनकी वापसी हुई है। उनकी पत्नी 2014 से 2019 तक उचाना कंला से विधायक रही हैं। बीरेंद्र सिंह 42 साल तक कांग्रेस में रहे थे और फिर पार्टी छोड़ दी थी। उनका बेटा बृजेंद्र सिंह 2019-24 तक हिसार से भाजपा सांसद रहे हैं। हाल ही में उन्होंने भी कांग्रेस का दामन थामा है।

नासा की तैयारी.......चंद्रमा के लिए बनाएगा उसकी अपनी घड़ी

-अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से सौंपा काम

वाशिंगटन । अब चंद्रमा की अपनी एक अलग तरह की टाइम जोन होगी जो पूरी तरह से चंद्रमा के भूगोल के ही अनुकूल होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने नासा को चंद्रमा की पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप टाइमकीपिंग की एक क्रांतिकारी पद्धति विकसित करने का काम सौंपा है। इसका मकसद चंद्रमा-केंद्रित समय संदर्भ प्रणाली बनाना है। यह चंद्रमा के कम गुरुत्वाकर्षण खिंचाव के अनुकूल होगी। यह अनुकूलन जरुरी है, क्योंकि इन गुरुत्वाकर्षण अंतरों के कारण चंद्रमा पर समय थोड़ा तेजी से बीतता है। इससे प्रत्येक दिन 58.7 माइक्रोसेकंड का फर्क आता है, जो खगोलीय गणनाओं के लिए समस्या कारण हो सकता है। नासा के संचार और नेविगेशन प्रमुख केविन कॉगिन्स ने परियोजना के बारे में बताया कि चंद्रमा पर एक परमाणु घड़ी पृथ्वी पर एक घड़ी की तुलना में एक अलग गति से चलेगी। कॉगिन्स ने कहा, यह समझ में आता है कि जब आप चंद्रमा या मंगल जैसे किसी अन्य पिंड पर जाते हैं, तब हर जगह दिल की धड़कन अलग होती है। यह पहल अंतरिक्ष अन्वेषण की उभरती जरूरतों को दर्शाती है। अतीत में, चंद्र मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री पारंपरिक घड़ियों पर निर्भर रहते थे। हालाकि, आधुनिक जीपीएस, उपग्रह प्रौद्योगिकियों और जटिल कंप्यूटर और संचार प्रणालियों के लिए आवश्यक सटीकता के लिए अधिक सटीक टाइमकीपिंग की आवश्यकता होती है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन समन्वित सार्वभौमिक समय (यूटीसी) के अपने उपयोग को बनाए रखेगा, जिसका श्रेय पृथ्वी से इसकी निकटता को जाता है। अंतरिक्ष समय की शुरुआत का निर्धारण एक चुनौती है, जिसका सामना करने के लिए नासा तैयार है। इसके बाद, एजेंसी को समय माप की जटिलताओं को समझना होगा। पृथ्वी पर भी समय में उतार-चढ़ाव हो सकता है, कभी-कभी लीप सेकंड जोड़ने की आवश्यकता होती है।

सऊदी अरब से पाकिस्तान को झटका....कश्मीर राग में नहीं दिया साथ

सऊदी । पाकिस्तान के साथ संयुक्त बयान में सऊदी अरब जम्मू-कश्मीर पर भारत के रुख का समर्थन करता दिखाई दिया। सऊदी ने भारत और पाकिस्तान से अपने बकाये मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करने का आग्रह किया। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच बैठक के बाद दोनों देशों ने एक संयुक्त बयान जारी किया। पाकिस्तान के नवनिर्वाचित पीएम शरीफ अपने पहले विदेश दौरे के तहत सऊदी अरब पहुंचे। हालांकि कश्मीर मुद्दे को लेकर सऊदी अरब ने उन्हें झटका दिया है। क्राउन प्रिंस ने कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मुद्दा बताया है। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा है कि इस मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को बातचीत से सुलझाना होगा। क्राउन प्रिंस का यह रुख शाहबाज के साथ 7 अप्रैल को बैठक हुई। बातचीत के बाद संयुक्त बयान में आया है। पाक अब तक कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में जनमत संग्रह का राग अलापता रहा है। लेकिन, भारत इस मसले पर द्विपक्षीय बातचीत का समर्थन करता है।

कनाडा में भारतीय मूल के सिक्ख कारोबारी गिल की गोली मारकर हत्या

टोरंटो । भारतीय मूल के कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक बूटा सिंह गिल की कनाडा के एडमॉन्टन शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक गिल के करीबी दोस्त ने कहा कि गिल शहर के एक सिख मंदिर के एक प्रमुख सदस्य थे और उनके पंजाबी समुदाय के साथ मजबूत संबंध थे। वहीं, शहर के कैवनघ इलाके में दिन के समय हुई गोलीबारी में एक अन्य व्यक्ति की भी मौत हो गई, जिसकी पहचान तत्काल नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल के पास एडमोंटन स्थित एक लक्जरी होम बिल्डिंग कंपनी गिल बिल्ट होम्स लिमिटेड का स्वामित्व था। गोलीबारी के तुरंत बाद एक्स पर पोस्ट में कहा गया, पुलिस नागरिकों से कैवनघ ब्लव्ड एसडब्ल्यू और 30 एवेन्यू एसडब्ल्यू के क्षेत्र से बचने के लिए कह रही है, जबकि पुलिस दोपहर के आसपास आवासीय क्षेत्र में हुई गोलीबारी की जांच कर रही है। फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। इस समय सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई तत्काल चिंता नहीं है और प्रतिक्रिया देने वाले अधिकारियों ने घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया है। पुलिस ने अपराधी के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गोलीबारी के बाद, लगभग 50 लोग, जिनमें से अधिकांश दक्षिण एशियाई गृह-निर्माता समुदाय से थे, घटनास्थल पर एकत्र हुए। इस घटनाक्रम पर पूर्व नगर पार्षद मोहिंदर बंगा ने कहा कि गिल, जिन्हें वह कई वर्षों से जानते थे, की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह निर्माण स्थल पर अपने श्रमिकों की जाँच कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, बंगा ने कहा कि पीड़ित का पंजाबी समुदाय के साथ मजबूत संबंध था और वह एक धार्मिक और मददगार व्यक्ति था। बग्गा ने कहा, वह किसी भी स्थिति में मदद की जरूरत वाले किसी भी व्यक्ति की मदद करने के लिए तैयार और इच्छुक था। वह सेंट अल्बर्ट ट्रेल पर हमारे सिख मंदिर के एक प्रमुख सदस्य थे। बंगा ने कहा, (पंजाबी समुदाय, पूर्वी भारतीय समुदाय एक घनिष्ठ समुदाय है, और वे सभी यहां रहना चाहते हैं ताकि, आप जानते हैं, अगर वे किसी भी तरह से मदद कर सकते हैं। गिल अपने पीछे पत्नी, बेटी और एक बेटा छोड़ गए हैं।

ईद से पहले पाकिस्तान में दो जगहों पर बम धमाके....पुलिसकर्मी सहित तीन लोगों की मृत्यु

पेशावर । पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग बम विस्फोट हुए, इन विस्फोट में एक पुलिसकर्मी सहित तीन लोगों की मृत्यु हो गई तथा 20 अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि प्रांत के क्वेटा जिले के कुचलक इलाके में एक मस्जिद में विस्फोट हुआ, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और 15 अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, जब मस्जिद में विस्फोट हुआ, उस समय लोग मग़रिब की नमाज पढ़ रहे थे। वहीं बलूचिस्तान के खुजदार शहर में उमर फारूक चौक के पास एक बाजार में बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह विस्फोट उस समय हुआ जब बाजार में ईद की खरीददारी करने के लिए महिलाओं और बच्चों की भीड़ थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन बल घटनास्थल पर पहुंचे। घायल व्यक्तियों और शवों को खुजदार टीचिंग अस्पताल ले जाया गया। बम निरोधक दस्ते के अधिकारी दोनों स्थानों की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उमर फारूक चौक और मस्जिद के पास खड़ी की गई बाइक में 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाए गए थे। वहीं ऐसा लगता है कि मोटरबाइक में लगाए गए आईईडी को रिमोट के जरिये नियंत्रित किया गया था। बलूचिस्तान में हुए इस हमले की अब तक किसी भी प्रतिबंधित संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस साल हाल के हफ्तों में प्रतिबंधित संगठनों और आतंकवादियों द्वारा प्रांत में कई आतंकी हमले किए गए हैं, जिसमें सुरक्षाबलों और प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया है।

ईरान ने दशिमक में इजरायली हमले के बाद नया वाणिज्य दूतावास खोला

दमिश्क । ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने दमिश्क में पिछले हफ्ते इजरायली हमले के बाद सोमवार को नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन किया। श्री अब्दुल्लाहियन, सीरिया के विदेश मंत्री फैसल मेकदाद के साथ नए वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यह भवन पिछली इमारत के बगल में मौजूद है। श्री अब्दुल्लाहियन एक अप्रैल को ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हमले के बाद देश की अपनी पहली यात्रा के लिए दमिश्क पहुंचे। हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के वरिष्ठ नेता मारे गए, जिनमें एक अनुभवी कमांडर मोहम्मद रजा जाहेदी भी शामिल थे। जिन्होंने सीरिया और लेबनान में आईआरजीसी विदेशी ऑपरेशन विंग, कुद्स फोर्स का नेतृत्व किया। उन्होंने दमिश्क की अपनी यात्रा के दौरान सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद, विदेश मंत्री फैसल मेकदाद और सीरियाई राष्ट्रीय सुरक्षा के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने कहा कि दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हमले की अमेरिका द्वारा निंदा की कमी ने संकेत दिया कि अमेरिका ने इजरायल को यह अपराध करने के लिए हरी झंडी दे दी है।

न्यूयार्क के हुडसन यार्ड में ओजरवेशन डेस्क से सूर्यग्रहण देखते हुए लोग।

पाकिस्तान की कोर्ट ने सुनाई 70 के दशक वाली सजा, 80 कोड़े मारो

कराची । पाकिस्तान के कराची में एक सेशन कोर्ट ने एक दुर्लभ सजा सुनाकर एक व्यक्ति को 80 कोड़े मारने का आदेश दिया है। अदालत ने उस व्यक्ति को अपनी पत्नी पर व्यभिचार का झूठा आरोप लगाकर अपनी बेटी को अपनाने से इंकार करने का दोषी पाया था। कोर्ट ने आरोपी फरीद कादिर को करीब 80 कोड़े मारने की सजा सुनाई। आदेश में कहा गया है, जो कोई भी कजफ के लिए उत्तरदायी होगा, आरोपी 80 कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। अदालत ने फैसला सुनाया कि दोषसिद्धि के बाद फरीद कादिर द्वारा प्रदान किए गए साक्ष्य किसी भी अदालत में स्वीकार्य नहीं होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, फरीद कादिर (दोषी) की पूर्व पत्नी ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि उसकी शादी फरवरी 2015 में हुई थी और वह करीब एक महीने तक फरीद के साथ रही थी। दिसंबर 2015 में फरीद की पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया। फरीद की पूर्व पत्नी ने कहा, मेरे पति (फरीद) भरण-पोषण देने या मुझे और हमारी नवजात बेटी को अपने घर वापस ले जाने में भी विफल रहे। अदालत ने फरीद को अपनी बेटी और मेरे (फरीद की पूर्व पत्नी) के भरण-पोषण की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। लेकिन मेरे पति ने कार्यवाही के दौरान अदालत में दो आवेदन प्रस्तुत किए, जिसमें बच्ची के लिए डीएनए परीक्षण और अपनी बेटी को अस्वीकार करने की मांग की गई। ये आवेदन बाद में फरीद द्वारा वापस ले लिए गए। दूसरी ओर, आरोपी फरीद ने अपनी पूर्व पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों से इंकार कहा कि उसकी पत्नी ने उसके साथ केवल छह घंटे बिताए थे। उसने कहा, मैं और मेरी पत्नी केवल छह घंटे ही साथ रहे। फिर वह घर से चली गई और कभी वापस नहीं लौटी। पाकिस्तान में 80 कोड़े मारने की सजा एक ऐसी सजा है जो 70 के दशक के जिया उल हक के दौर के बाद नहीं देखी गई है।

रमजान में कटोरा लेकर सऊदी अरब के पास पहुंचा पाकिस्तान, नहीं मिली फूटी कौड़ी? सऊदी प्रिंस नहीं लेना चाहते भारत से बैर?

कराची (एजेंसी)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने मक्का के अल-सफा पैलेस में पाकिस्तान के प्रधान मंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। एक संयुक्त बयान में, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने अपने 'बकाये मुद्दों', विशेषकर कश्मीर मुद्दे को हल करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की आवश्यकता को रेखांकित किया है। इसके अलावा पाकिस्तान और सऊदी अरब ने पहले चर्चा की गई 5 अरब डॉलर के निवेश पैकेज में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

पाकिस्तान, सऊदी अरब ने 5 अरब डॉलर के निवेश पैकेज में तेजी लाने की प्रतिबद्धता दोहराई

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने पहले चर्चा की गई 5 अरब डॉलर के निवेश पैकेज में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने रविवार को मक्का अल-मुकर्रमा के अल-सफा पैलेस में सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाकात की। बैठक के दौरान, क्राउन प्रिंस ने पदभार संभालने पर पीएम शरीफ को बधाई दी, जबकि बदले में, पाकिस्तान के पीएम ने किंगडम के दृढ़ समर्थन और आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। संयुक्त बयान में कहा गया है, ÷चर्चा दोनों भाईचारे वाले देशों के बीच भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के रास्ते तलाशने पर केंद्रित थी।÷

कर्ज में डूबे पाकिस्तान को बस साउदी अरब का दिलासा?

बयान के अनुसार पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में राज्य की सहायक भूमिका और व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की पारस्परिक इच्छा पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने 5 बिलियन डॉलर के निवेश पैकेज की पहली लहर में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिस पर पहले चर्चा की गई थी। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को अपने चालू खाते के घाटे को कम करने और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को संकेत देने की सख्त जरूरत है कि वह विदेशी वित्तपोषण की आवश्यकताओं को पूरा करना जारी रख सकता है जो पिछले बेलआउट पैकेजों में एक प्रमुख मांग रही है। प्रधान मंत्री ने क्राउन प्रिंस को जल्द से जल्द पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने स्वीकार कर लिया। दोनों नेताओं ने गाजा की चिंताजनक स्थिति सहित आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इसमें लिखा है, उन्होंने गाजा में इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने, मानवीय प्रभाव को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का आग्रह किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए इजरायल पर शत्रुता बंद करने, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और गाजा तक निर्बाध मानवीय सहायता पहुंच की सुविधा के लिए दबाव डालने की अनिवार्यता को रेखांकित किया। उन्होंने सुरक्षा परिषद और महासभा के प्रासंगिक प्रस्तावों के साथ-साथ अरब शांति पहल के अनुसार शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा की, जिसका उद्देश्य पूर्वी येरुशलम के साथ एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए एक उचित और व्यापक समाधान ढूंढना है।

संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने ÷क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर विवाद को हल करने के लिए÷ पाकिस्तान और भारत के बीच बातचीत के महत्व पर भी जोर दिया। कश्मीर के विवादित हिमालयी क्षेत्र पर पूरा दावा किया जाता है, हालाँकि 1947 में ब्रिटेन से आज़ादी के बाद से भारत और पाकिस्तान दोनों ने आंशिक रूप से इस पर शासन किया है, और पड़ोसियों ने इस पर तीन में से दो युद्ध लड़े हैं।

गाजा से लौट रही इजरायली सेना किसी बड़े खतरे का दे रही संकेत

गाजा (एजेंसी)। गाजा के दक्षिणी हिस्से के रफाह शहर में भी इजरायल ने अपनी रेड रोक दी है। बता दें कि मिस्र युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर समझौता कराने का प्रयास कर रहा है। जानकारों का कहना है कि इजरायल की सेना की वापसी के पीछे ईरान का डर भी हो सकता है। सीरिया में ईरान के दूतावास पर इजरायली हमले के बाद ईरान भी युद्ध की धमकी दे चुका है। वहीं रफाह बॉर्डर पर हमले और राहत के काम में जुटे लोगों पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव भी चरम र है। अमेरिका भी इजरायल से दूरी बनाता हुआ नजर आ रहा है। वहीं संभावना यह भी है कि इजरायल इन इलाकों में अपना अभियान पूरा कर चुका है इसलिए वह सैनिकों को वापस बुला रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल ने शनिवार को रातभर अपने सैनिकों की वापसी का अभियान चलाया। अब केवल एक ब्रिगेड 'नाहल वर्तमान में गाजा पट्टी पर मौजूद है। नाहल ब्रिगेड को तथाकथित नेटजारिम गलियारे को सुरक्षित करने का काम सौंपा गया है, जो दक्षिणी इजरायल में बेरी क्षेत्र से गाजा पट्टी के तट तक तक जाता है। यह गलियारा इजरायली सेना को उत्तरी और मध्य गाजा में छापे मारने में सक्षम बनाता है और फलस्तीनियों को गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से में लौटने से रोकता है। यह मानवीय संगठनों को उत्तरी गाजा में सीधे सहायता पहुंचाने की अनुमति भी देता है। सैनिकों की यह वापसी ऐसे समय हुई है जब मिस्र युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते पर पहुंचने के उद्देश्य से नए दौर की वार्ता की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है।

हमास के खिलाफ युद्ध को रविवार को छह माह पूरे हो गए। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और लेबनान में अपने अभियानों पर नया डाटा प्रकाशित किया। आंकड़ों के अनुसार, युद्ध की शुरुआत के बाद से गाजा पट्टी में इजरायली सेना ने 13 हजार से अधिक हमास आतंकियों और अन्य आतंकवादी समूहों के सदस्यों को मार गिराया। सेना ने हमास के पांच ब्रिगेड कमांडरों और 20 से अधिक बटालियन कमांडरों को भी मार डाला है। हमास के 100 से अधिक कंपनी कमांडर और समान रैंक वाले ऑपरेटिव भी मारे गए हैं। युद्ध की शुरुआत के बाद से गाजा पट्टी में लगभग 32,000 जगहों पर हमला किया गया है। इनमें से 3,600 से अधिक हमास के ठिकाने। इजरायली सेना ने लेबनान में 330 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, जिनमें से 30 ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के कमांडर शामिल हैं।

चीन से लॉन्ग हॉर्न बीटल नामक कीड़ा पहुंचा कई देशों में

-दुनिया भर में मचा रहा भारी तबाही

बीजिंग (एजेंसी)। चीन से लॉन्ग हॉर्न बीटल नाम का कीड़ा दुनिया के कई देशों में पहुंच गया है। यह पेड़ों की जान का दुश्मन बन गया है। उन्हें चंद दिनों में ही चट कर जाता है। बांस से बनी वस्तुओं को यह चंद घंटों में नष्ट कर देता है। अगर ये घर में पहुंच जाए तो दीमक से भी ज्यादा खतरनाक है। लंबे सींग वाले इसे कीट को कुछ लोग गुबरैला के नाम से भी जानते हैं। यह कीड़ा चीन, ताइवान और कोरियाई प्रायद्वीप में पाया जाता है। कहते हैं कि अगर एक बार ये कहीं जम जाए तो इसे हटाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। पौधों को काटकर ही इससे निपटा जा सकता है। यह इतना खतरनाक है कि जिस भी पेड़ में यह घुस जाता है, उसे चंद दिनों में पूरी तरह चट कर जाता है।

अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, मध्य पूर्व, ऑस्ट्रेलिया, स्विटजरलैंड और भारत के कई राज्यों के लिए चुनौती बना हुआ है। जर्मनी के हैम्बर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह अगर आपके घर में घुस जाए तो आपका सोफा, डाइनिंग टेबल, कुर्सियां सबकुछ खा जाता है। इसीलिए इन्हें घरों में उपद्रव मचाने वाला कीट भी माना जाता है। हाल ही में स्विटजरलैंड में इसने भारी तबाही मचाई। इसकी वजह से जंगल का काफी हिस्सा काटना पड़ा है। क्योंकि गुबरैला से छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका संक्रमित पेड़ों को नष्ट करना ही है। कई देशों में तो इसे बांस उद्योग को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। लॉन्ग हॉर्न बीटल गोल छेद बनाता है। वहीं अंडे देते हैं। बच्चे पैदा करते हैं और फिर फैल जाते हैं। फिर नई वंशावली वही काम करती है। यह संक्रमण आखिरकार पेड़ों को खत्म कर देता है। पेड़ इससे बच नहीं पाते। छेद की वजह से पेड़ पोषक तत्वों को नहीं प्राप्त कर पता और एक दिन सूख जाता है। इनक वजह से दुनिया भर में अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है। यूरोप में पहली बार 1924 में इसे पाया गया। तब से ये तबाही मचा रहे हैं। बता दें कि वायरस का जब भी जिक्र आता है, तो ज्?यादातर लोगों की जुबां पर चीन का नाम आ जाता है। क्?योंकि कई रिसर्च से इस बात की पुष्टि हुई है कि चीन कुछ अजीबोगरीब वायरस तैयार कर रहा है।

इसलिए भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है कनाडा? ट्रूडो के चुनावी जीत में चीन की भूमिका पर कनाडा की खुफिया एजेंसी ने कर दिया बड़ा खुलासा

लंदन (एजेंसी)। कनाडा की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी ने खुलासा किया है कि चीन ने देश के 2019 और 2021 के चुनावों में हस्तक्षेप किया था। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी दोनों चुनावों में विजयी हुई। संभावित चीनी भागीदारी के संबंध में विपक्षी विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बीच, ट्रूडो ने विदेशी हस्तक्षेप की जांच के लिए एक आयोग की शुरुआत की। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, आधिकारिक जांच से पता चला है कि चीन ने कनाडा की चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया है।

सत्र के दौरान आयोग ने कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) द्वारा फरवरी 2023 की ब्रीफिंग के एक अंश की प्रस्तुति स्लाइड की समीक्षा की। स्लाइड के अनुसार, रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार हम जानते हैं कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ने 2019 और 2021 दोनों चुनावों में गुप्त और भ्रामक रूप से हस्तक्षेप किया। हस्तक्षेप को रणनीतिक बताया गया, जिसका उद्देश्य चीनी सरकार से संबंधित मुद्दों पर पीआरसी समर्थक या तटस्थ माने जाने वाले उम्मीदवारों का समर्थन करना था। पीआरसी का मतलब पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना है। जबकि ग्लोबल न्यूज़ ने पहले इस मूल्यांकन के अस्तित्व की सूचना दी थी, चीन ने कनाडाई राजनीति में किसी भी भागीदारी से इनकार किया था।

2021 के अभियान के दौरान कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व नेता एरिन ओ'टूल ने आरोप लगाया कि चीनी हस्तक्षेप के कारण उनकी पार्टी को नौ सीटों तक का नुकसान हो सकता है, हालांकि इससे चुनाव के नतीजे पर कोई असर नहीं पड़ा। राज्य अभिनेता कनाडा में विदेशी हस्तक्षेप सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं क्योंकि इसके कुछ कानूनी या राजनीतिक परिणाम हैं। इसलिए स्नढ्ढ कम जोखिम वाला और उच्च प्रतिफल वाला है।

उत्तरी केन्या में पुल पर बाढ़ के पानी में बही बस, सभी यात्रियों को बचाया गया

नैरोबी । उत्तरी केन्या में नदी पुल पर एक बस बाढ़ के पानी में बह गयी हालांकि वाहन में सवार में 51 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तना नदी काउंटी के कमांडर अली एनडीमा ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि बस अभी तक पुल से लगभग 30 मीटर दूर नदी में फंसी हुई है, हालांकि जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है। एनडीमा ने बताया कि पुल को फिलहाल अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाएगा और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

लश्कर, जैश, हिज्बुल और केटीएफ... आतंकियों की मौत पर रॉ का नाम लेकर रोया पाकिस्तान, मोदी सरकार पर लगे आरोपों पर क्या बोला अमेरिका?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर की प्रतिक्रिया तब आई जब उनसे द गार्जियन की उस रिपोर्ट पर वाशिंगटन के रुख के बारे में पूछा गया, जिसमें पाकिस्तानी अधिकारियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया था कि भारत ने पाकिस्तान की धरती पर आतंकवाद और उग्रवाद से जुड़े लोगों को मार डाला। मिलर इसलिए, हम इस मुद्दे पर मीडिया रिपोर्टों पर नज़र रख रहे हैं। अंतर्निहित आरोपों पर हमारी कोई टिप्पणी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से हम इस स्थिति के बीच में नहीं आने वाले हैं। इस महीने की शुरुआत में रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान के खुफिया कार्यकर्ताओं के हवाले से दावा किया गया था कि भारत का कदम विदेशी धरती पर रहने वाले आतंकवादियों को खत्म करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा था।

रिपोर्ट को कनाडा के हालिया दावों द्वारा समर्थित किया गया था। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का आरोप लगाया गया था, जिनकी 18 जून, 2023 को सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाद में रिपोर्ट के जवाब में विदेश मंत्रालय ने ऐसे सभी आरोपों का खंडन किया और इन्हें 'झूठा और दुर्भावनापूर्ण प्रचार' बताया। विदेश मंत्रालय ने द गार्जियन को बताया कि ये आरोप 'झूठे और दुर्भावनापूर्ण भारत विरोधी प्रचार' हैं। इसने विदेश मंत्री एस जयशंकर के पिछले बयान को भी रेखांकित किया जिसमें उन्होंने कहा था कि अन्य देशों में लक्षित हत्याएं भारत सरकार की नीति नहीं थी।

संपादकीय

अभिव्यक्ति को बल

यूट्यूबर्स या यूट्यूब पर विचार व्यक्त करने वालों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि सर्वोच्च न्यायालय ने उनके पक्ष को मजबूत किया है। न्यायालय ने यथोचित फैसला लेते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े एक मामले में यूट्यूबर ए दुरई मुरुगन सत्ताई को दी गई जमानत बहाल कर दी है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मुरुगन की जमानत रद्द करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मुरुगन ने स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया है। सुनवाई के दौरान सबसे खास टिप्पणी न्यायमूर्ति ओका ने की, 'अगर चुनाव से पहले हम यूट्यूब पर आरोप लगाने वाले सभी लोगों को सलाखों के पीछे डालना शुरू कर देंगे, तो कल्पना कीजिए कि कितने लोगों को जेल होगी?' वाकई आज के समय में सरकार या राजनेताओं के विरुद्ध बोलने या सवाल उठाने वालों की संख्या कम नहीं है और अनेक यूट्यूब चैनल पर लोग सीधे आरोप लगा देते हैं, कुछ लोग तो दोषी होने का फैसला भी सुना देते हैं! वैसे, क्या लोकतंत्र में आलोचकों का मुंह बंद किया जा सकता है? क्या कोई सरकार यूट्यूब पर प्रतिबंध लगाकर कुख्याति मोल लेना चाहेगी? आज देश में जितने भी स्मार्टफोन हैं, सभी में यूट्यूब एप अनिवार्य रूप से रहता है। शायद ही कोई ऐसा स्मार्टफोन धारक होगा, जो यूट्यूब न देखता होगा। यह बात भी बार-बार सामने आई है कि यूट्यूब ने लोगों को अभिव्यक्ति की आजादी का अवसर ही नहीं दिया है, बल्कि उसका विस्तार भी किया है। वीडियो बनाने और उसे लोगों तक पहुंचाने की इस आजादी के नकारात्मक पहलू खूब हैं, किंतु सकारात्मक पहलुओं की ही ज्यादा चर्चा होनी चाहिए। लोकतंत्र में बहुत हद तक अभिव्यक्ति की आजादी लोगों के विवेक पर ही निर्भर है। इस मामले में भी न्यायालय ने यही माना है कि मुरुगन ने विरोध प्रदर्शन और अपने विचार व्यक्त करके अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया है। कोई शक नहीं कि अदालत ने यथोचित उदारता का परिचय दिया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के दौर में लोगों को भी ज्यादा उदार बनने की जरूरत है। किसी वीडियो की शिकायत करते हुए सावधानी बरतना जरूरी है। इस मामले में शिकायतकर्ता द्रमुक का सदस्य है और उसने रावण नामक यूट्यूब चैनल पर याचिकाकर्ता का भाषण सुना, जिसमें मुख्यमंत्री स्टालिन का मजाक उड़ाया गया था। शिकायतकर्ता को यह बुरा लगा और पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करके अक्तूबर 2021 में मुरुगन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, इस मामले का त्रासद पक्ष यह है कि यह विवाद निचले स्तर पर ही सुलझाया जा सकता था, लेकिन यह सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। न्याय तक पहुंचने में काफी समय लग गया। गौर कीजिए, नवंबर 2021 में मद्रास हाईकोट ने मुरुगन को जमानत दे दी थी, पर बाद में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने जमानत रद्द कर दी थी। उसके बाद 2022 में सर्वोच्च न्यायालय ने मुरुगन को अंतरिम जमानत दी और तब से वह जमानत पर बाहर हैं। अब जाकर उन्हें राहत की सांस मिलेगी। सूचना प्रौद्योगिकी के नए दौर में यह एक ऐसा आदर्श मामला है, जिससे हम काफी कुछ सीख सकते हैं। आज निंदा में शालीनता व संतुलन का होना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है, शिकायत से पहले निंदा पर समझदारी से सोचना।

चुनावी वेला में कच्चाथिवु के किंतु-परंतु

पुष्परंजन

रामेश्वरम से कच्चाथिवु द्वीप की दूरी मात्र 25.9 किलोमीटर है। श्रीलंका के बहुचर्चित ज़ाफना ज़िले का हिस्सा है यह द्वीप। 1.6 किलोमीटर लंबे और 300 मीटर चौड़े इस द्वीप पर दस साल बाद अचानक से प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान गया है, वो भी सूचना के अधिकार की वजह से। तमिलनाडु के बीजेपी प्रेसिडेंट के. अन्नामलाई ने आरटीआई के ज़रिये यह जानकारी नहीं ली होती, तो क्या 'द्वीपहरण' का यह सनसनीखेज़ मामला दबा रह जाता? डीएमके ने जब केंद्र पर दोषारोपण शुरू किया, जवाब में विदेशमंत्री एस. जयशंकर बोले, 'मैंने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को 21 बार कच्चाथिवु द्वीप के बारे में जानकारी दी थी।' मगर, सवाल यह है कि पीएम मोदी को यह जानकारी आरटीआई से मिलती है, संबंधित मंत्रालय से क्यों नहीं मिली? इस प्रश्न का बेहतर उत्तर विदेशमंत्री एस. जयशंकर ही दे सकते हैं। कच्चाथिवु पर विवाद का नवीनतम दौर 31 मार्च, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के एक ट्वीट के साथ शुरू हुआ, जिसमें तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को मिली आरटीआई रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चाथिवु द्वीप को जून, 1974 में 'बेवकूफी से श्रीलंका को दे दिया।' इसके प्रकारांतर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली! नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चाथिवु द्वीप को छोड़ दिया। इससे हर भारतीय नाराज है।' सबसे दिलचस्प इस राजनीतिक युद्ध में तथ्यों का छिपाना और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना भी रहा है। अशोक के. कंठ 2009 से 2013 के बीच कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त तैनात थे। उनका मानना है कि भारत ने जितना श्रीलंका को दिया, उससे कहीं अधिक बड़ा और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इलाक़ा 1976 में हासिल कर लिया था। 23 मार्च, 1976 को भारत-श्रीलंका समझौते ने वाड्ज बैंक को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र के हिस्से के रूप में मान्यता दी, जिससे भारत को वहां के विपुल प्राकृतिक संसाधनों पर सार्वभौम अधिकार मिल गया था। अब सोचा जा सकता है कि यह डील मूर्खतापूर्ण थी, या कि दूरगामी रणनीतिक समझदारी वाली। भारत ने 2024 की शुरुआत में ही वाड्ज बैंक इलाके में तेल की खोज के वास्ते टेंडर निकाला था, उस वजह से श्रीलंका ने स्वयं अपने मछुआरों को वहां जाने पर रोक लगा दी। दरअसल, बीजेपी के लक्ष्य में तमिलनाडु का मछुआरा वोट बैंक है, उन्हें अपने आईने में उतारने को लेकर यह सारी कहानी बुनी गई है। गुजरात के बाद तमिलनाडु वो राज्य है, जहां समुद्री तटरेखा 1076 किलोमीटर लंबी है। तमिलनाडु के 38 में से 15 ज़िले तटीय हैं, जो पुदूचेरी समेत 40 लोकसभा सीटों में से आधे को प्रभावित करते हैं। मछुआरा समुदाय आये दिन श्रीलंकाई तटरक्षकों के हत्थे चढ़ता है। इनकी गिरफ्तारियां बीच समंदर होती हैं। इनके बोट जब्त होते हैं। कुछ हफ्तों बाद ये छूटते हैं, लेकिन इस बीच जमकर राजनीति होती है। तमिलनाडु फिशिंग रेगुलेशन एक्ट-1983 के अनुसार, 'राज्य के मछुआरे केवल तीन नॉटिकल माइल्स तक जाकर मछली का शिकार कर सकते हैं।' यों अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा नौ नॉटिकल माइल्स तक है, मगर बाज़ दफ़ा मछुआरे उसे भी पार कर जाते हैं, परिणामस्वरूप वो पकड़े जाते हैं, फिर एक बड़ा इश्यू बनता है। जून, 2011 में, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर 1974 और 1976 के समझौतों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने जयललिता के तर्कों पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था, 'भारत से संबंधित कोई भी क्षेत्र नहीं दिया गया था, न ही संप्रभुता छोड़ी गई थी, क्योंकि इसका कभी सीमांकन नहीं किया गया था।' दोनों समझौतों की वैधता की पुष्टि अगस्त, 2014 में भारतीय अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने की थी। उन्होंने भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढा के नेतृत्व वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ से कहा था, 'यदि आप कच्चाथिवु की वापसी चाहते हैं, तो आपको इसे पाने के लिए युद्ध में जाना होगा।' श्रीलंका ने मुकुल रोहतगी के बयान के हवाले से सवाल करना शुरू किया है, कि क्या भारत, यूक्रेन युद्ध को इस इलाके में दोहराना चाहता है? श्रीलंका में भारत के तीन अत्यधिक सम्मानित पूर्व भारतीय उच्चायुक्त, शिवशंकर मेनन, निरूपमा राव और अशोक के. कंठ, जिनमें से दो ने बाद में विदेश सचिव के रूप में पद संभाला था, कच्चाथिवु पर पीएम मोदी के कमेंट्स से इत्तेफाक़ नहीं रखते। पीएम मोदी जिसे बेवकूफाना हरकत बताते हैं, वह समझौता 1974 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान दो श्रीलंकाई प्रधानमंत्रियों, डडले सेनानायके (1965-1970) और श्रीमती सिरिमाओ भंडारनायके (1970-1977) के अथक बातचीत के बाद संपन्न हुआ था। तीन हज़ार वर्गमील के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन 'वाड्ज बैंक' को भारत ने हासिल करने के बदले यदि 1.9 वर्ग किलोमीटर का कच्चाथिवु श्रीलंका को दे भी दिया, तो इसे मूर्खतापूर्ण कैसे कह सकते हैं? फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया का कहना है कि वाड्ज बैंक में 4,000 वर्ग मील का क्षेत्र शामिल है। इसके विपरीत कच्चाथीवु केवल 285 एकड़ का एक निर्जन द्वीप है। कोलंबो से प्रकाशित अखबार, 'द आइलैंड' ने मन्नार की खाड़ी में अवस्थित वाड्ज बैंक के बारे में अपने संपादकीय में लिखा, 'श्रीलंका को अभी तक यह समझ में नहीं आया है कि उसने मन्नार में अपने सदियों पुराने मोती मत्स्य पालन प्रजनन स्थल और प्रचुर तेल भंडार वाले इलाके को खो कैसे दिया, जिसके लिए यह द्वीप कई शताब्दियों से जाना जाता था।' मोदी के बयानों के बरअक्स श्रीलंका के मंत्रियों ने मोर्चा खोल रखा है। पहले वहां के विदेशमंत्री और अब श्रीलंका के मत्स्य मंत्री डगलस देवानंद ने गुरुवार को जाफना में कहा, 'यह भारत में चुनाव का समय है, कच्चाथिवु के बारे में दावों और प्रतिदावे का ऐसा शोर सुनना असामान्य नहीं है। मुझे लगता है कि भारत इस जगह को सुरक्षित करने के लिए अपने हितों पर काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि श्रीलंकाई मछुआरों की उस क्षेत्र तक कोई पहुंच न हो और श्रीलंका को उस संसाधनपूर्ण क्षेत्र पर किसी भी अधिकार का दावा नहीं करना चाहिए।' इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहेंगे कि चुनावी फायदे के लिए हम गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं। दूसरी ओर श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्द्धन चीन से नौ समझौतों पर बुधवार को हस्ताक्षर कर आये हैं। चीन चुनाव तक श्रीलंका में सक्रिय रहेगा, इसे नई दिल्ली न ही भूले!

ये लेखक के अपने विचार हैं।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

(नवरात्रि पर्व पर विशेष)

भारतीय समाज में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 9 अप्रैल से हो चुकी है, जिसका समापन रामनवमी के दिन 17 अप्रैल को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

आम चुनाव और इंडिया गठबंधन की कछुआ चाल

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

लोकसभा चुनाव 2024 वैसे तो कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए करो या मरो की स्थिति में लड़ा जा रहा है। कांग्रेस के लोग लगातार पार्टी छोड़ भाजपा व अन्य दलों में शामिल हो रहे हैं। इन्हें बांधकर रखने की बात तो दूर समझाने और साधने वाला भी दूर-दूर तक कोई नजर नहीं आ रहा है। हद यह है कि जो दम भरते थे कभी कि भले जेल हो जाए या जान चली जाए वो कांग्रेसी थे, हैं और आगे भी कांग्रेसी ही रहेंगे, अब अन्य दलों के परचम लहराते नजर आ रहे हैं। इसी बात को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को लगातार कठघरे में खड़ा किया जाता रहा है, लेकिन क्या मजाल कि किसी ने चुनाव के बारे में सोचा हो और एक पुख्ता रणनीति के तहत चुनाव में उतरने और पार्टी व गठबंधन को मजबूत करने की बात भी की हो। जो जहां है, ठीक है और जहां होगा बेहतर होगा की तर्ज पर कारवां चलता रहा और हालात यहां तक पहुंच गए कि पार्टी टिकट पर चुनाव में उतरने से भी अनेक नेताओं ने मना कर दिया। ऐसे ही मौकों के लिए एक शेर बहुत मशहूर है, कि

बागबॉं ने आग दी जब आशियाने को मिरे,
जिन पे तकिया था वही पत्ते हवा देने लगे.

ऐसा नहीं है कि इससे कांग्रेस या इंडिया गठबंधन पूरी तरह से अनभिज्ञ है। मालूम सब है और बातें भी बहुत हो रही हैं, लेकिन परिणाम सिफर है। यही वजह है कि इस लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिल रहा है कि चुनावी रणनीति बनाने से लेकर चुनाव प्रचार में भी कांग्रेस और अब इंडिया गठबंधन भारतीय जनता पार्टी से खासा पिछड़ गया है। एक तरफ सत्ता में रहते हुए भी भाजपा अपने आप को चुनाव मोड से कभी अलग ही नहीं कर पाई है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष में रहते हुए भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपने आपको साबित करने की खातिर जमीनी कार्य करते भी नजर नहीं आए हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है। ऐसे में राजनीतिक दलों के लिए चुनाव प्रचार को महज एक हफ्ते का समय ही रह गया है। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन की अब तक ऐसी कोई ऐतिहासिक रैली नहीं हुई, जिसे लेकर कहा जा सके कि इसके माध्यम से संपूर्ण देश को वह संदेश दिया गया, जो चुनाव को प्रभावित करता है। ना ही चुनाव को लेकर बूथ स्तर की ही कोई योजना ही अभी तक सामने आई है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि महागठबंधन की रैली की कौन बात करे इसमें शामिल दलों के प्रमुख नेता व स्टार प्रचारक भी अपने-अपने क्षेत्रों से ही नदारद हैं। देश के हिन्दी राज्यों में कम से कम यही स्थिति देखने को मिली है, जबकि दक्षिण राज्यों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे दम-खम के साथ पार्टी व गठबंधन को चुनाव में स्टेंड दिलाने भरसक प्रयास किए हैं। इसका फायदा जरुर इस चुनाव में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को देखने को मिल सकता है। इसके विपरीत आम चुनाव घोषित होने के बाद मध्य प्रदेश में स्टार प्रचारक राहुल गांधी की पहली सभा में जो देखने को मिला वह चुनावी साधने वाला कम और सवाल खड़े करने वाला दृष्य ज्यादा रहा, जिसे लेकर भाजपा ने जमकर तंज कसे हैं।

इससे हटकर यदि बात भाजपा के चुनाव प्रचार की बात की जाए तो अबकी बार, 400 पार का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी इस मामले में काफी आगे निकल चुकी है। हद यह है कि शुरु से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी मोर्चा खुद संभाल रखा है। उनकी गाइडलाइन ही अन्य नेता और स्टार प्रचारक फालो करते नजर आए हैं। भाजपा के कैंपेन की जिम्मेदारी को लेकर पीएम मोदी लगभग हर दिन दो से तीन राज्यों में रैली व सभाएं करते दिख रहे हैं। बूथ लेवल पर भी तमाम जिम्मेदारों को ताकीद के साथ जिम्मेदारी सौंपी जा चुकी है। जो जोड़-तोड़ में माहिर हैं वो भी अपना रिजल्ट बखूबी दे रहे हैं, जिस कारण विरोधी खेमे में भगदड़ की स्थिति नजर आई है। इस स्थिति में कहना गलत न होगा कि कांग्रेस ही नहीं बल्कि संपूर्ण इंडिया गठबंधन की चुनावी जंग खुद जनता ने संभाल रखी है और वक्त आने पर बतला देंगे जैसी स्थिति प्रतीत हो रही है। बावजूद इसके लोकसभा चुनाव 2024 में भी ईवीएम को लेकर सवाल जस के तस मौजूद हैं। इसे लेकर जहां चुनाव आयोग के समक्ष अर्जियां लगाई गईं हैं तो वहीं अदालत के दरबाजे भी खूब खटखटाए गए हैं, लेकिन विपक्ष की मांग के मुताबिक कोई माकूल हल निकलता नहीं दिखा है। ऐसे में चुनाव परिणाम को लेकर अभी से आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरु हो चुका है। इस मामले में भी इंडिया गठबंधन पिछड़ता नजर आया है, जबकि मोदी की गारंटी बहुत आगे तक मार करती नजर आ रही है। अंतत- यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में चुनाव एक करिस्माई परिणाम से परिपूर्ण होते हैं, तभी अनेक दफा अप्रत्याशित चुनाव परिणाम जनता के सम्मुख आ जाते हैं। आमजन क्या सियासत व चुनाव विशेषज्ञ और विश्लेषक भी ऐसे परिणामों को देख दांतो तले उंगली दबाने पर मजबूर होते हैं।

खुद का कारोबार करने की ख्वाहिश रखते हैं भारतीय युवा

ऑफिस में आठ से दस घंटे काम करने के बाद भी मनचाही तनख्वाह न मिलने और दिन-प्रतिदिन जिंदगी की जरूरतों के बढ़ते रहने के बीच एक ही विकल्प बचता है और वह है खुद का कारोबार कर अच्छा मुनाफा कमाना. भारत में भी खुद का कारोबार करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है.

भले ही विश्व में नौकरी की संभावाएं कम होती नजर आ रही हैं, लेकिन कैरियर को सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए भारतीय युवाओं में खुद का कारोबार करने का जज्बा तेजी से बढ़ रहा है. इतना ही नहीं अन्य देशों के युवाओं की अपेक्षा भारतीय युवा जल्द ही अपने व्यवसाय को व्यवस्थित करने की ख्वाहिश रखते हैं.

हाल में चार्टर्ड इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एकाउंट्स द्वारा वैश्विक स्तर पर किये गये एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आयी है कि भारतीय युवा 33 वर्ष की आयु में अपना खुद का कारोबार करना चाहते हैं, जबकि अन्य देशों के युवा 36 वर्ष की आयु में ऐसा करने की ख्वाहिश रखते हैं. सर्वे में यह तथ्य भी सामने आया है कि 34 प्रतिशत युवा 30 वर्ष कि आयु तक सीनियर मैनेजर के पद पर कार्य करना चाहते हैं, वहीं 17 प्रतिशत युवा अपने ही बॉस जैसा यानी निदेशक बनना चाहते हैं. 67 प्रतिशत युवा ऐसे संस्थान में काम करना पसंद करते हैं, जो उन्हें अच्छी तनख्वाह दे. वहीं 36 प्रतिशत युवा ऐसा करोबार करने को प्राथमिकता देते हैं, जो अपने देश के साथ उन्हें विदेश में भी तरक्की पाने का अवसर प्रदान करे.

मल्टीनेशनल कंपनी में काम करनेवाले 31 वर्षीय साहिल शर्मा कहते हैं कि आज के दौर में रिस्क तो हर जगह है, लेकिन सोची-समझी प्लानिंग के साथ अपने कारोबार में लिया गया रिस्क अकसर लोगों को कम समय में अधिक मुनाफा दिला देता है. वहीं नौकरी करनेवालों की बात करें, तो वे पूरी लगन के साथ काम करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत का प्रॉफिट उन्हें मिलने की बजाय कंपनी को मिलता है. जाहिर है कि खुद का कारोबार करना किसी कंपनी में नौ से पांच की नौकरी करने से कहीं ज्यादा बेहतर है. दो वर्षो से गारमेंट्स का बिजनेस चलानेवाली 29 वर्षीय गरिमा माथुर भी खुद के कारोबार को नौकरी से ज्यादा बेहतर बताती हैं. गरिमा कहती हैं कि तीन साल नौकरी करने के बाद ही मैंने अपना खुद का व्यवसाय करने का फैसला किया. मेरे लिए यह मुनाफा कमाने के साथ-साथ अपनी पहचान बनाने का भी बेहतरीन जरिया बन गया. अब यह सोच कर अच्छा लगता है कि सही समय पर मैंने सही फैसला लिया और सही समय पर अपने कारोबार को स्थापित कर लिया. यदि आज भी मैं नौकरी करती रहती, तो शायद मुझे तनख्वाह के रूप में 20 से 25 हजार या ज्यादा-से-ज्यादा 35 से 40 हजार रुपये ही हर महीने मिल रहे होते. लेकिन अपना कारोबार करने का मैंने फैसला करके आज मैं हर महीने लाखों का मुनाफा कमा रही हूं.

फाइनांशियल मार्कीट्स में असीमित अवसर

अनेक उतार-चढ़ाव तथा रिटेल निवेशकों के निम्न आधार के बावजूद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एशिया का छठा तथा विश्व का 14वां सबसे विशाल मुद्रा बाजार है। देश में कुछ अन्य स्टॉक एक्सचेंज के अलावा दुनिया भर में अनेक स्टॉक एक्सचेंज मौजूद हैं जहां हर दिन अरबों-खरबों का लेन-देन होता है। इस क्षेत्र में कार्य करने वालों के पास उज्ज्वल करियर बनाने के असीमित अवसर होते हैं। वित्तीय सेवा पेशेवरों की मांग अब केवल स्टॉक ब्रोकरेज फर्म्स तक ही सीमित नहीं है बल्कि बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों में भी उनकी काफी जरूरत होती है।

फाइनांशियल मार्कीट्स से संबंधित कोर्सों के तहत छात्रों को बाजार को बेहतर ढंग से समझने तथा मिलने वाले मौकों का अधिक से अधिक लाभ उठाने का कौशल प्रदान किया जाता है। अनेक संस्थान इस विषय से संबंधित नवीन कोर्स शुरू कर रहे हैं जिनसे छात्रों को इस क्षेत्र के बारे में नवीनतम बदलावों से जागरूक करवाया जाता है।

सम्भावनाएं

जो छात्र फाइनांशियल मार्कीट्स संबंधी कोर्स सफलतापूर्वक करते हैं वे बैंकों में इन्वैस्टमैंट बैंकर्स या रिलेशनशिप मैनेजर, इंश्योरैंस कम्पनियों में वैल्थ मैनेजर के अलावा एनालिस्ट, पोर्टफोलियो मैनेजर, सर्विलांस / कम्प्लायंस / रैगुलेशन मैनेजर, डिजीटल कंटैंट डिवैल्पर्स एवं रिस्क मैनेजर के तौर पर भी कार्य कर सकते हैं।

शुरूआत

इस क्षेत्र में आमतौर पर युवाओं को बतौर एनालिस्ट नियुक्त किया जाता है। कार्पोरेट फाइनांस में वे मुख्यत- आंकड़ों का आकलन लगाने का काम करते हैं। वे फर्म्स की फाइनांशियल रिर्पोटस का अध्ययन करते हैं। शोध में कार्य करने वाले एनालिस्ट कम्पनियों तथा सैक्टर्स की हल-चल पर नजर रखते हैं। एनालिस्ट्स को ट्रेडिंग करने की स्वीकृति नहीं मिलती जब तक वे अपनी योग्यता एवं कौशल को पूरी तरह सिद्ध नहीं कर देते हैं क्योंकि इस काम में गलती की जरा भी गुंजाइश नहीं होती है। यहां गलती भारी नुक्सान का कारण बनती है। अनुभव हासिल करने के बाद एनालिस्ट्स को एसोसिएट के पद पर नियुक्ति मिलती है। वैसे एम.बी.ए. डिग्री धारी सीधे इस पद पर भी नियुक्ति प्राप्त करते हैं। वे अपनी टीम में काम का बंटवारा तथा निरीक्षण का काम करते हैं। इसके बाद वे वाइस प्रैजीडैंट के पद पर पदोन्नत होते हैं जो एनालिस्ट तथा एसोसिएट्स के काम पर नजर रखते हैं। वे कस्टमर्स के अधिक करीब रहते हैं। प्रतिभाशाली वाइस प्रैजीडैंट्स को एग्जीक्यूटिव डायरैक्टर, फिर मैनेजिंग डायरैक्टर के पदों पर नियुक्ति मिलती है। इस क्षेत्र में करियर की शुरूआत करने तथा अनुभव हासिल करने के लिए बेहतर होगा कि युवा किसी कम्पनी में बतौर इंटर्न काम शुरू करें।

नौकरी की तलाश में दूसरों को नुक्सान न पहुंचाएं

पेश हैं कुछ नियम जिनका पालन नौकरी के लिए आवेदन करने वाले हर व्यक्ति को करना चाहिए। अक्सर नौकरी तलाश करने वाले आवेदकों की शिकायत होती है कि इंटरव्यू के बाद उन्हें नियोक्ताओं की तरफ से कोई खबर नहीं मिलती है परंतु कुछ शिकायतें नियोक्ताओं की आवेदकों से भी होती हैं।

उनकी अक्सर शिकायत होती है कि आवेदन करने वाले कई सारे लोग साक्षात्कार के लिए पहुंचते ही नहीं जिसकी वे पहले कोई खबर भी नहीं देते हैं। ऐसे भी कई आवेदक हैं जिन्हें नौकरी दिए जाने के बाद वे ज्वाइनिंग ही नहीं करते और न ही इस बारे में कोई सूचना देते हैं। बेशक कुछ आवेदनकर्ताओं को किसी नौकरी में रुचि न रही हो या फिर उन्हें वह नौकरी अपने मतलब की न लगी हो या फिर तनख्वाह से वे संतुष्ट न हों परंतु इंटरव्यू पर न पहुंचने या नौकरी ज्वाइन नहीं करने की सूचना कम्पनी को जरूर देनी चाहिए।

उनके द्वारा बगैर बताए गायब हो जाने की बात से उन लोगों के लिए चीजें मुश्किल हो जाती हैं जो भविष्य में नौकरी के लिए आवेदन करते हैं इसलिए आवेदनकर्ता निम्न बातों का खास तौर पर ध्यान रखें।

- यदि आपको इंटरव्यू के लिए समय दिया गया है तो समय पर पहुंचें। यदि किसी वजह से आप इंटरव्यू पर नहीं पहुंच सकते हैं तो समय पूर्व फोन करके इसकी सूचना कम्पनी को दें।
- यदि आपको नौकरी पर रख लिया गया है तो काम पर समय पर पहुंचें या फिर समय रहते पर्याप्त कारण बताते हुए नौकरी न करने की सूचना कम्पनी को देना आवश्यक है।

बनाएं शोध के क्षेत्र में कैरियर

विज्ञान संकाय से पढ़ाई करनेवाले छात्रों के सामने एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है- बायोइन्फॉरमेटिक्स. विद्यार्थी की विज्ञान की पढ़ाई के साथ ही अगर शोध में रुचि हो, तो यह क्षेत्र उनके लिए काफी बेहतर साबित हो सकता है. कैरियर के तौर पर बायोइन्फॉरमेटिक्स के विभिन्न आयामों पर एक नजर..

मेडिकल साइंस में विकास के कारण बायोइन्फॉरमेटिक्स के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ता जा रहा है. बायोइन्फॉरमेटिक्स इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी से मिल कर बना है. इन दिनों बायोइन्फॉरमेटिक का इस्तेमाल मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के क्षेत्र में खासतौर से किया जाता है. यह एक स्पेशलाइज्ड क्षेत्र है. विशेषज्ञों की मानें, तो इन दिनों बायोइन्फॉरमेटिक्स विशेषज्ञों की मांग आपूर्ति से कहीं ज्यादा है.

कैसा है काम

इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवर कंप्यूटर टेक्नोलॉजी के माध्यम से बायोलॉजिकल डाटा का सुपरविजन और विश्लेषण करते हैं. साथ ही, इनका काम डाटा स्टोरेज करने के साथ-साथ एकत्र किये गये बायोलॉजिकल डाटा को एक-दूसरे के साथ मिलाना भी होता है. इन दिनों बायोइन्फॉरमेटिक्स का इस्तेमाल शोध के क्षेत्र में बहुत हो रहा है. इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ह्यूमन हेल्थ, एग्रीकल्चर, इन्वायरनमेंट और ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने का भी भरपूर मौका होता है. बायोमॉलिक्यूलर के क्षेत्र में बायोइन्फॉरमेटिक्स का इस्तेमाल दवाओं की क्वालिटी सुधारने के लिए किया जाता है.

क्या है योग्यता

विज्ञान संकाय से 12वीं पास करनेवाले छात्र बायोइन्फॉरमेटिक्स क्षेत्र में प्रवेश ले सकते हैं. यदि इस विषय में अपनी शोध क्षमताओं को और बेहतर करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएट में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, जेनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री, फार्मेसी, वेटेरिनरी साइंस, फिजिक्स और मैथ्स जैसे विषय जरूर होने चाहिए.

रोजगार का क्षेत्र

इन दिनों हर क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है. विज्ञान का क्षेत्र इसमें सबसे आगे है. इसलिए बायोइन्फॉरमेटिक्स से जुड़े लोगों की मांग इन दिनों तेजी से बढ़ रही है. खासकर जीवीके बायोसाइंसेस, एस्ट्राजेनेका, डॉ रेड्डी लेबोरेट्रीज, इनजेनोविस, जुबिलेंट बायोसेंस, लैंडस्काइ सॉल्यूशंस जैसी बड़ी कंपनियां हैं, जो अच्छा खासा मौका मुहैया करा रही हैं. इस क्षेत्र में सरकारी और निजी मेडिकल संस्थान, अस्पताल आदि में रिसर्च कार्यो के लिए बायोइन्फॉरमेटिक्स के क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को नियुक्त किया जाता है, लेकिन बायोइन्फॉरमेटिक्स से जुड़े लोगों के लिए फार्माक्यूटिकल उद्योग रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र होता है.

इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवर कुछ खास क्षेत्र में अपना बेहतरीन कैरियर बना सकते हैं, जैसे सीक्वेंस असेंबलिंग, सीक्वेंस एनालिसिस, प्रोटेओमिक्स, फार्माकोजेनोमिक्स, फार्माकोलॉजी, क्नीनिकल फार्माकोलॉजिस्ट, इन्फॉरमेटिक डेवलपमेंट, कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री, बायोएनालिटिक्स, एनालिटिक्स आदि.

विशेषताएं, जो हैं जरूरी

दरअसल, बायोइन्फॉरमेटिक्स का क्षेत्र शोध से जुड़ा हुआ है. इसलिए इस क्षेत्र में कदम रखनेवाले विद्यार्थियों का जिज्ञासू प्रवृत्ति का होने के साथ-साथ उनमें ऑब्जेंवशन स्किल होनी भी जरूरी है. इस क्षेत्र में सफल होने के लिए टीम भावना का होना भी जरूरी है.

कितना मिलेगा वेतन

बायोइन्फॉरमेटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री रखनेवाले विद्यार्थियों को शुरुआत में 12 से 20 हजार रुपये प्रति महीने मिल सकते हैं. सरकारी शोध संस्थानों से काम की शुरुआत करनेवाले विद्यार्थियों को शुरुआती दौर में थोड़े कम वेतन से संतोष करना पड़ता है. लेकिन उन्हें अलग से भी कई तरह के भत्ते मिलते हैं. आमतौर पर एमएनसी में इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छा वेतन मिलता है.

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

- सोना 71 हजार और चांदी 82 हजार रुपए

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह लगातार दूसरे दिन मंगलवार को बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। सोने के वायदा भाव 71 हजार और चांदी के वायदा भाव 82 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में भी सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 114 रुपये की तेजी के साथ 71,026 रुपये पर खुला। जो बाद में 124 रुपये की तेजी के साथ 71,036 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर

चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 96 रुपये की तेजी के साथ 81,971 रुपये पर खुला। जो बाद में 50 रुपये की तेजी के साथ 81,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,358.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,351 डॉलर था। फिलहाल यह 12.30 डॉलर की तेजी के साथ 2,363.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को इसने 2,372.50 डॉलर के भाव पर अब तक का उच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.97 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.80 डॉलर था। फिलहाल यह 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 27.93 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 28.26 डॉलर के भाव पर दिन का उच्च स्तर छू लिया।

इस्मार्टू इंडिया की हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा डिक्सन

नई दिल्ली ।

डिक्सन टेक्नोलॉजीज (इंडिया) की योजना इलेक्ट्रॉनिक व मोबाइल उपकरण विनिर्माण कंपनी इस्मार्टू इंडिया में बहुमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की है। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण पूरी तरह से नकद समझौता होगा। उसने इस्मार्टू सिंगापुर, ट्रांसन टेक्नोलॉजी लिमिटेड, 5ए एडवाइजर्स एलएलपी से पहली किश्त में 50.10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए शेयर खरीद समझौता किया है। बयान के अनुसार पहली किश्त में शेयरों का अधिग्रहण कुल 238.36 करोड़ रुपये में होने का अनुमान है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने सोमवार देर रात शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि यह अधिग्रहण इस व्यवसाय क्षेत्र में बढ़ने तथा रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने और व्यावसायिक विस्तार की डिक्सन टेक्नोलॉजीज की रणनीति के अनुरूप है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों कंपनियों की संयुक्त विशेषज्ञता, संसाधन, इंजीनियरिंग कौशल और अन्य विनिर्माण क्षमताएं उभरते भारतीय ईएमएस उद्योग में विकास के अवसरों को भुनाने में मदद करेगी।

मारुति सुजुकी ने मानेसर संयंत्र की क्षमता एक लाख इकाई बढ़ाई

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने मानेसर संयंत्र की उत्पादन क्षमता में प्रे तिवर्ष एक लाख इकाई विस्तार किया है। कंपनी ने हरियाणा के मानेसर में कार्यरत तीन विनिर्माण संयंत्रों में से मौजूदा प्लांट-ए में एक वाहन असेंबली लाइन जोड़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने एक बयान में कहा कि नई वाहन असेंबली लाइन में प्रति वर्ष एक लाख इकाई बनाने की क्षमता है। बयान के अनुसार अतिरिक्त असेंबली लाइन के साथ मानेसर की कुल विनिर्माण क्षमता नौ लाख वाहन प्रति वर्ष हो गई है। एमएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि हमारा लक्ष्य अगले सात-आठ वर्षों में अपनी क्षमता को करीब दोगुना करके 40 लाख वाहन प्रति वर्ष करना है। प्रति वर्ष एक लाख वाहनों की यह क्षमता वृद्धि इस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।

क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस का शेयर 175 पर लिस्ट हुआ

नई दिल्ली । क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस इंडिया के आईपीओ ने बाजार में प्रवेश कर लिया है। एनएसई एसएमई पर क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस का शेयर प्राइस 175 रुपये पर लिस्ट हुआ, जो 85 रुपये के इश्यू प्राइस से 105.88 फीसदी ज्यादा है। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस इंडिया लिमिटेड का आईपीओ गुरुवार 8 मार्च को सब्सक्राइब करने के लिए खुलने के बाद गुरुवार अप्रैल को बंद हो गया। इश्यू के लिए प्राइस बैंड 80 रुपये से 85 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस आईपीओ लॉट साइज में 1,600 शेयर शामिल थे। आखिरी दिन इसके आईपीओ को 201.86 गुना सब्सक्राइब किया गया था। इससे पहले बुधवार 27 मार्च को कंपनी ने 85 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 18.24 लाख इक्विटी शेयर बेचे थे। इससे एंकर निवेशकों से 15.5 करोड़ रुपये जुटाए गए। एंकर बुक को कई जाने-माने निवेशकों ने सब्सक्राइब किया था। कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों, पूरा या आधा पुनर्भुगतान या कुछ ऋणों के पूर्व भुगतान, पूंजीगत खर्च की फंडिंग, व्यापार अधिग्रहणों के माध्यम से अकार्बनिक विकास के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों के भुगतान के लिए नए मुद्दे से शुद्ध आय का उपयोग करने की योजना बना रही है।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी की महाराष्ट्र में जलकोट सौर परियोजना शुरू

नई दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने महाराष्ट्र में 105 मेगावाट जलकोट सौर ऊर्जा परियोजना मंगलवार को शुरुआत की है। कंपनी के अनुसार परियोजना को निर्धारित वाणिज्यिक संचालन तिथि से लगभग नौ महीने पहले रिकॉर्ड समय में शुरू किया गया है। जलकोट सौर ऊर्जा परियोजना महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के साथ 25 साल के बिजली खरीद समझौते के तहत बिजली का वितरण करेगी, जो आर्थिक मूल्य व पर्यावरणीय प्रबंधन दोनों के प्रति प्रतिबद्धता की एक मिसाल है। कंपनी ने कहा कि इसके सालाना करीब 20 करोड़ (यूनिट) उत्पादन की संभावना है। इस परियोजना का लक्ष्य महाराष्ट्र के कार्बन उत्सर्जन को हर साल अनुमानित 1,78,569 टीसीओ2 कम करना है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परियोजना के निर्धारित वाणिज्यिक संचालन की तारीख से करीब नौ महीने पहले इसका परिचालन शुरू होना हमारे दल की अभूतपूर्व कर्मठता को दर्शाता है।

एक्सिस बैंक में बड़ी ब्लॉक डील की संभावना

- 3 करोड़ से ज्यादा शेयरों की हो सकती है बिक्री

नई दिल्ली । बाजार में मंगलवार को एक बड़ी ब्लॉक डील हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार एक्सिस बैंक के 3 करोड़ से ज्यादा के शेयरों की ब्लॉक डील होने की संभावना है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि बेन कैपिटल एक्सिस बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेच सकता है। रिपोर्ट की मानें तो इस ब्लॉक डील की कीमत करीब 43.1 करोड़ डॉलर की हो सकती है। प्रति शेयर के हिसाब से देखें तो 1071 रुपये से लेकर 1076.05 रुपये प्रति शेयर पर यह ब्लॉक डील होने की संभावना है। वहीं बताया जा रहा है` कि ब्लॉक डील बेन कैपिटल से जुड़ी कुछ एंटिटी द्वारा लॉन्च की गई है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस ब्लॉ़क डील का उद्देश्य एक क्लीन अप ट्रेड करना है। इससे ये अनुमान लगाए जा रहे हैं कि जो बेन कैपिटल पूरी तरह से बाहर हो सकती है। पिछले दिसंबर में अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ने 3,700 करोड़ से अधिक में एक्सिस बैंक में 1.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। इसने पहले जून में एक्सिस बैंक में 0.7 प्रतिशत हिस्सेदारी 968 प्रत्येक की औसत कीमत पर बेची थी, जिसकी कुल कीमत 2,178 करोड़ थी। इससे पहले निजी इक्विटी इकाई ने अक्टूबर 2022 में 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी का निपटान किया था। पिछले वर्ष के दौरान एक्सिस बैंक के शेयरों ने निवेशकों को 26 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 58.80 , निफ्टी 23.55 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। इससे पहले आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पहली बार 75,000 अंक के ऊपर निकल गया पर इसके बाद लार्ज कैप में मुनाफावसूली बढ़ने से बाजार नीचे आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित

बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 58.80 अंक करीब 0.08 फीसदी टूटकर 74,683.70 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 74,603.37 और 75,124.28 के बीच रहा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई (निफ्टी) भी 23.55 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी टूटकर अंत में 22,642.75 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी आज 22,612.25 और 22,768.40 के बीच रहा। आज के कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी 0.47 फीसदी नीचे आया। इससे पहले आज सुबह नवरात्र के पहले कारोबारी` दिन बाजार की मजबूत शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 166.83 अंक ऊपर 74,909.33 पर और निफ्टी 50.90 अंक ऊपर 22,717.20 पर कारोबार देखा गया।

वहीं सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 494 अंक मजबूत हुआ। वहीं निफ्टी में भी 153 अंक की बढ़त दर्ज की गई। वहीं अमेरिकी बाजार सोमवार को सपाट बंद हुए। बाजार की नजरें अब आने वाले महंगाई के आकड़ों पर है।

गोफर्स्ट को राहत, एनसीएलटी ने दिवाला प्रक्रिया पूरा करने बढ़ाया समय

- अब गोफर्स्ट को समाधान प्रक्रिया पूरा करने के लिए 3 जून तक का समय मिला

नई दिल्ली ।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने दिवालिया हो रही गोफर्स्ट को समाधान प्रक्रिया को पूरा करने 60 दिन का समय और दे` दिया है। यह लगभग तीसरी बार है जब एनसीएलटी ने विस्तार किया है। अब गोफर्स्ट को समाधान प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 3 जून तक का समय है। दिल्ली स्थित एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने गोफर्स्ट के समाधान पेशेवर के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इसमें कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) को पूरा करने के लिए समयसीमा बढ़ाने की मांग की गई थी। 13 फरवरी को एनसीएलटी ने सीआईआरपी को पूरा करने की समय सीमा 4 अप्रैल तक बढ़ा दी। यह पिछले साल 23 नवंबर को ट्रिब्यूनल द्वारा 90 दिनों का विस्तार दिए जाने के बाद था, जो 4 फरवरी को समाप्त हो गया। दिवाला और दिवालियापन संहिता 330 दिनों के भीतर सीआईआरपी को पूरा करने का आदेश देती है, जिसमें मुकदमेबाजी के दौरान लगने वाला समय भी शामिल है। संहिता की धारा 12(1) के अनुसार, सीआईआरपी 180 दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। हालाँकि किसी भी विस्तार या मुकदमेबाजी अवधि सहित, सीआईआरपी को अनिवार्य रूप से पूरा करने की अधिकतम समय सीमा 330 दिन है, जिसमें विफल रहने पर कॉर्पोरेट देनदार को परिसमापन के लिए भेजा जाता है। 10 मई, 2023 को एनसीएलटी ने स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही शुरू करने के लिए गोफर्स्ट की याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसने 3 मई को उड़ानों का संचालन बंद कर दिया था। पिछले साल 3 मई 2023 से गोफर्स्ट की सभी फ्लाइट बंद हैं। एयरलाइन वित्तीय संकट का सामना कर रही थी, जिसकी वजह से उसकी सभी उड़ानों का परिचालन बंद हुआ था। एनसीएलटी ने मई 2023 से ही एयरलाइन के लिए दिवाला समाधान कार्यवाही शुरू कर दी थी। बता दें कि कारोबारी साल 2021-22 में एयरलाइन का राजस्व 4,183 करोड़ रुपये था।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 91 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल कंपनियों के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वै श्विक बाजार में इस हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.28 डॉलर की उछाल के साथ 90.66 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.23 डॉलर की बढ़त के साथ 86.66 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा लॉन्च

ई-स्कूटर की कीमत है 1.10 लाख रुपये

नई दिल्ली ।

बेंगलुरु बेस्ड इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर ने इंडियन मार्केट में अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा को लॉन्च कर दिया है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को टीवीएस आईक्यूब, ओला एस1 और हीरो वीडा वी1 से टक्कर लेने के लिए उतारा गया है। कंपनी ने इस ई-स्कूटर की कीमत काफी सोच-समझकर 1.10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तय की है, जो इसे अपने सेगमेंट में सबसे मजबूत दावेदार बना देता है।एथर रिज्टा की बात करें तो इसे तीन वैरिएंट में लॉन्च किया गया है जिसमें 2.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ रिज्टा एस और 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ रिज्टा झेड शामिल है। अगर स्कूटर के डिजाइन की बात करें तो इसमें क्लीन लुक के साथ काफी शार्प और स्लीक डिजाइन मिलती है। बेस-स्पेक रिज्टा एस की कीमत 1.10 लाख रुपये है। एडिशनल फीचर्स और कलर ऑप्शन के साथ रिज़्टा जेड वैरिएंट उपलब्ध है जिसकी कीमत 1.25 लाख रुपये है। इसके अलावा, टॉप-एंड रिज्टा झेड की कीमत 1.45 लाख रुपये है। सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं। 2.9केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आने वाले वैरिएंट की रेंज 123 किलोमीटर है, जबकि 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक मॉडल की रेंज 160 किलोमीटर क्लेम की गई है। सभी वेरिएंट की टॉप स्पीड 80 किमी प्रति घंटा तक सीमित है।

एथर रिज़्टा एस तीन मोनोटोन रंगों में आता है, जबकि रिज़्टा झेड सात रंगों में उपलब्ध है, जिसमें तीन मोनोटोन और चार डुअल-टोन विकल्प शामिल हैं। इसके अलावा, इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो राइडिंग मोड - ज़िप और स्मार्टइको मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से, रिज़्टा में ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, स्किड कंट्रोल सिस्टम, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल (ईएसएस), चोरी और टो डिटेक्ट सिस्टम जैसी कई सुविधाएं मिलती हैं। इसमें ऑटो होल्ड और रिवर्स मोड जैसी राइड असिस्ट सुविधाएं भी मौजूद हैं।

इसके अलावा, बेस-स्पेक मॉडल में 7-इंच एलसीडी डिस्प्ले मिलता है जबकि अन्य दो में 7-इंच टीएफटी डिस्प्ले मिलता है। स्कूटर लॉन्च के साथ, एथर ने हेलो हेलमेट भी पेश किया, जिसमें हेलो बिट की कीमत 4,999 रुपये और हेलो की कीमत 14,999 रुपये है, जिसमें प्री-ऑर्डर पर 2,000 रुपये की छूट उपलब्ध है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की पिछले वित्त वर्ष रिकॉर्ड 22,500 करोड़ की बुकिंग

- गोदरेज प्रॉपर्टीज ने प्रेस्टीज समूह की बिक्री बुकिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 84 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 22,500 करोड़ रुपये रही। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग बिक्री वृद्धि की प्रमुख वजह रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज समूह की बिक्री बुकिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रेस्टीज समूह ने पिछले वित्त वर्ष में 21,040 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग होने की सोमवार को जानकारी दी थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में 14,520 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की है।

डीएलएफ ने अभी तक अपने आंकड़ों की घोषणा नहीं की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे 2023-24 में क्रमशः अपनी अब तक की सबसे अच्छी तिमाही और वार्षिक बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर दोगुनी होकर 9,500 करोड़ रुपये से अधिक रही। पिछले वित्त वर्ष में इसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 84 प्रतिशत बढ़कर 22,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। कंपनी के अनुसार यह भारत में किसी भी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा घोषित अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है। यह दो करोड़ वर्ग फुट के क्षेत्रफल में फैले 14,310 मकानों की बिक्री के जरिए संभव हो पाया। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि कंपनी की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 56 प्रतिशत बढ़कर 81.7 लाख वर्ग फुट हो गई। गोदरेज प्रॉपर्टीज व्यवसाय समूह गोदरेज ग्रुप का हिस्सा है। यह देश के अग्रणी डेवलपर्स में से एक है।

विशाल मेगा मार्ट इस साल लॉन्च करेगा अपना आईपीओ

- आईपीओ का साइज लगभग आठ हजार करोड़ रुपये का होगा

नई दिल्ली।

विशाल मेगा मार्ट इस साल अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रहा है और इसकी उसने तैयारी भी शुरू कर दी है। अब ये इंडियन सुपरमार्केट चेन आपको कमाई कराने की तैयारी कर रही है.। अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो ये खबर आपके लिए खास है। इसके लिए कंपनी ने दो बैंकों का चयन भी कर लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, विशाल मेगा मार्ट इस साल आईपीओ के लिए कोटक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के साथ बातचीत कर रहा है। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दोनों बैंक इस साल की चौथी तिमाही में सुपरमार्केट श्रृंखला को शेयर बिक्री के लिए आईपीओ लाने में मदद करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम स्थित इस कंपनी द्वारा अपने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग के जरिए 850 मिलियन डॉलर से 1 अरब डॉलर के बीच जुटाने की उम्मीद है। भारतीय मुद्रा में गणना करें तो इस आईपीओ का आकार लगभग 7080-8330 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है। हालांकि, हम इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर

रहे हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि अपना आईपीओ लाने के लिए कंपनी अन्य बैंकों को भी साथ ला सकती है। बता दे कि स्विट्जरलैंड के पार्टनर्स ग्रुप और भारत की केदारा कैपिटल ने साल 2018 में निवेश फर्म टीपीजी कैपिटल से विशाल मेगा मार्ट को खरीदा था। यह एक प्राइवेट लेबल, फैशन व जनरल मर्चेंडाइज, फूड और किरारा के सामान की पेशकश करती है। विशाल मेगा मार्ट की वेबसाइट पर इसके पूरे भारत में 550 से ज्यादा स्टोर्स हैं। रिपोर्ट की मानें तो विशाल मेगा मार्ट की कमाई का आधा हिस्सा कपड़ों की बिक्री से आता है। इंडियन रेटिंग के अनुसार 2022-23 में विशाल मेगा मार्ट का रेवेन्यू 36 फीसदी से बढ़कर 75.9 अरब रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी के नेट प्रॉफिट में 60 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली थी और ये 3.2 अरब रुपये पर पहुंच गई है।

ग्लैंड फार्मा के दो शेयरहोल्डर बेच सकते हैं हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

फार्मा सेक्टर की कंपनी ग्लैंड फार्मा के शेयरों में मंगलवार को ब्लॉक डील हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के दो शेयरहोल्डर अपनी 4.4 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकते हैं। जानकारी के मुताबिक ब्लॉक डील के जरिए निकोमैक मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड और आरपी एडवायजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कुल मिलाकर करीब 4.4 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकते हैं। 1400 करोड़ रुपये में ये डील हो सकती है ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। प्रति शेयर के हिसाब से ग्लैंड फार्मा के शेयरों की ब्लॉक डील के लिए प्रति शेयर 1725 रुपये का भाव तय किया गया है। यह इसके मौजूदा भाव से 7.34 फीसदी छूट पर है। यह शेयर सोमवार बीएसई पर 1861.70 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। कंपनी के दिसंबर तिमाही के शेयरहोल्डिंग डेटा शो के अनुसार, निकोमैक मशीनरी के पास ग्लैंड फार्मा में 1.2 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि आरपी एडवाइजरी सर्विसेज के पास ग्लैंड फार्मा में 3.74 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दोनों

एंटिटी डॉ. रवि पेनमेत्सा से जुड़ी हैं, जो ग्लैंड फार्मा के पूर्व प्रमोटर हैं।

इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि पेनमेत्सा के पास फर्म में लगभग 1 प्रतिशत शेष हिस्सेदारी बनी रहेगी। डील से पहले ग्लैंड फार्मा में निकोमैक मशीनरी और आरपी एडवाइजरी सर्विसेज की 4.93 फीसदी हिस्सेदारी थी। चीन की फोसुन फार्मा ग्लैंड फार्मा की प्रमोटर है और कंपनी में उसकी 57.86 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले साल ग्लैंड फार्मा के शेयरों में करीब 48 फीसदी की तेजी आई है।

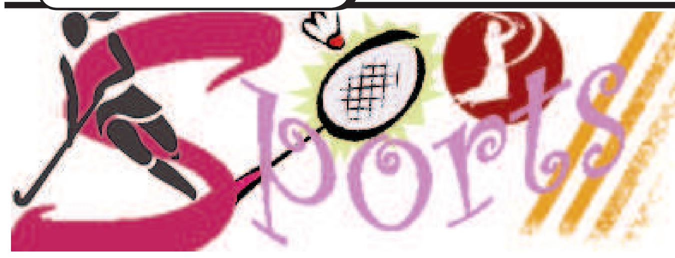

प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड के मामले में धोनी की बराबरी पर आये जडेजा

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में केकेआर के खिलाफ शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। जडेजा 15वीं बार सीएसके की ओर से प्लेयर ऑफ द मैच बने। इसी के साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के 15 प्लेयर ऑफ द मैच रिकार्ड की बराबरी कर ली। जडेजा ने अवार्ड के बाद कहा कि मैं बस अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करना चाह रहा था। मैंने यहां बहुत अभ्यास किया था। यदि आप अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करते हैं, तो इससे आपको सहायता मिलती ही है। आईपीएल में प्लेयर ऑफ द मैच मिलने के मामले में सुरेश रैना तीसरे नंबर पर हैं। उन्हें 12 बार ये अवार्ड मिला है। जबकि 10 बार ऋतुराज गायकवाड़ और इतने ही बार माइकल हसी को ये अवार्ड मिला है।

आईपीएल 2024 में आज गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

जयपुर ।

आईपीएल 2024 सत्र के 24 वें मैच में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला होगा। राजस्थान रॉयल्स अब तक इस सत्र में अपने सभी चारों मुकाबले जीतकर नंबर एक स्थान पर है और ऐसे में घरेलू मैदान में होने वाले इस मैच में भी वह अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। राजस्थान के पास शीर्ष स्तर के गेंदबाज और बल्लेबाज हैं पर उसकी चिंता युवा सलामी यशस्वी जायसवाल का फार्म में नहीं होना है। ऐसे में यशस्वी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं दूसरे सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने पिछले मैच में शतक लगाकर अपना फार्म वापस हासिल कर लिया है।

रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन अच्छी लय में हैं जिससे भी टीम को लाभ हुआ है। सैमसन ने अबतक चार मैचों में दो अर्धशतक के साथ ही 178 रन बनाये हैं। रॉयल्स के लिये इस सत्र में युवा रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए काफी रन बनाये हैं। पराग ने अब तक 185 रन बना लिये हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा शिमरोन हेटमायर और ध्रुव जुरेल को मध्यक्रम में अच्छी पारियां खेलनी होंगी। राजस्थान की तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट और नांद्रे बर्गर पर रहेगी। वहीं स्पिन की कमान लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल के पास रहेगी। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन का खराब फॉर्म हालांकि टीम के लिए परेशानी बना हुआ है। इसके बाद भी राजस्थान गुजरात टाइटंस पर काफी भारी है। दूसरी ओर गुजरात टीम को अभी तक पांच में से तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और दो जीत के साथ ही उसके चार अंक हैं। गुजरात की टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर वापसी करना रहेगा पर राजस्थान के अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए उसके लिए ये आसान नहीं होगा। उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को आपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। कप्तान शुभमन गिल ने अभी तक पांच मैचों में केवल 183 रन ही बनाये हैं। वहीं उनके जोड़ीदार बी साइ सुदर्शन भी अब तक विफल रहे हैं। गेंदबाजी में मोहित शर्मा और उमेश यादव ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया पर अब तक के प्रदर्शन के आधार पर वह टीम को जीत नहीं दिला पायेंगे। टीम के स्टार स्पिनर राशिद खान भी अब तक लय में नहीं दिखे हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में भी रॉयल्स की दावेदारी ही मजबूत नजर आती है।

गंभीर ने धोनी को भारत का सबसे सफल कप्तान बताया

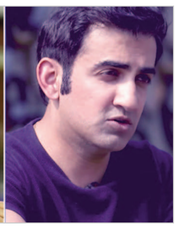

नई दिल्ली ।

आईपीएल में केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर ने सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें भारत का सबसे सफल कप्तान करार दिया है। गंभीर ने कहा कि धोनी एक ऐसे कप्तान हैं जिनके रहते हुए विरोधी टीम अंतिम गेंद तक जीत का दावा नहीं कर सकती है। गंभीर ने धोनी की योजनाओं और स्पिनर्स पर नियंत्रण के कौशल की सराहना की और उन्हें खेल का फिनिशर भी माना है। धोनी की चतुर मानसिकता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि जब तक धोनी मैदान पर हैं, विरोधी टीम आखिरी गेंद तक यह नहीं सोच सकती कि वह जीत जाएगी। गंभीर ने कहा कि धोनी अब तक के सबसे बेहतरीन कप्तान हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी कप्तान इतना सफल होगा जितने वह हैं। उन्होंने 3 आईसीसी खिताब जीते हैं। जब आईपीएल में धोनी के खिलाफ मेरी लड़ाई की बात आती है तो धोनी अपनी रणनीतिक मानसिकता के कारण इसका आनंद लेते हैं। हां, आईपीएल में मैंने भी इसका हर तरह से आनंद लिया है क्योंकि मुझे पता था कि धोनी के पास वह मानसिकता है। वह रणनीति के मामले में बहुत अच्छे हैं। गंभीर ने कहा कि धोनी जानते हैं कि स्पिनरों को कैसे नियंत्रित किया जाता है। किसी बल्लेबाज के खिलाफ फील्डिंग कैसे लगानी है। वह कभी हार नहीं मानते। वह अपनी टीम में आम तौर पर नंबर 6 या 7 पर बल्लेबाजी करता था। हम जानते थे कि जब तक वह वहां रहेगा, वह खेल समाप्त कर सकता है। भले ही उन्हें एक ओवर में 20 रन चाहिए हों पर अगर धोनी क्रीज पर हैं तो वह खेल को समाप्त कर सकते हैं।

धोनी और फ्लेमिंग के होने से मेरे लिए फैसला लेने आसान हुए : रितुराज

चेन्नई ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को जीत दिलाने वाले कप्तान रितुराज गायकवाड़ ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और कोच स्टीफन फ्लेमिंग के कारण उनके लिए कप्तानी करना आसान हो गया है। रितुराज को आईपीएल 2024 सत्र के ठीक पहले कप्तान बनाया गया था। सीएसके ने इस मैच में केकेआर को नौ विकेट पर 137 रन पर रोकने के बाद 17.4 ओवर में ही तीन विकेट पर लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। रुतुराज ने जीत के बाद कहा, '' इस टीम में मुझे किसी से कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि हर कोई अनुभवी है और अपनी भूमिका जानता है। इसके अलावा धोनी और फ्लेमिंग के होने से उन्हें फैसले लेने के लिए सलाह भी मिल जाती है।'' रुतुराज को इस मैच में पहली अर्धशतकीय पारी के साथ ही पुरानी बातें भी याद आ गयीं। उन्होंने कहा, '' मुझे पुरानी बातें याद आ गईं। आईपीएल में जब मैंने अपना पहला अर्धशतक लगाया था तब भी धोनी मेरे साथ मैच में लक्ष्य तक पहुंचने तक साथ थे।'' मैच में धीमी बल्लेबाजी को लेकर उन्होंने कहा, '' अजिंक्य रहाणे के फिट नहीं होने के कारण जिम्मेदारी मेरे ऊपर थी इसलिए मैंने अधिक जोखिम नहीं लेने का फैसला किया क्योंकि इससे आगे आने वाले खिलाड़ियों पर दबाव पड़ता।''

चेन्नई ने केकेआर को हराया, धोनी-गंभीर ने एक-दूसरे को गले लगाया

- वीडियो वायरल, खत्म हुआ फैन्स को दोनों के बीच दरार का संदेह

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के महान बल्लेबाज एमएस धोनी और गौतम गंभीर ने आईपीएल 2024 के 22वें मैच के बाद एक-दूसरे को गले लगाया और इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

एमए चिदंबरम स्टेडियम पर चेन्नई सुपरकिंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच सोमवार को मुकाबला हुआ। रितुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली चेन्नई ने केकेआर को 14 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। चेन्नई की धीमी पिच पर कोलकाता नाइटराइडर्स का हाल बुरा ही नजर आया। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली केकेआर को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला और पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 137 रन बना सकी। सीएसके की तरफ से रवींद्र जडेजा (3/18), तुषार देशपांडे (3/33) और मुस्तफिजुर रहमान (2/22) ने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन किया।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने आसानी से लक्ष्य को हासिल कर लिया। रितुराज गाकयवाड़ ने टीम का नेतृत्व करते हुए 58 गेंदों में 9 चौके की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। डैरिल मिचेल (25) और शिवम दुबे (28) ने उपयोगी पारी खेली। थाला एमएस धोनी 1 रन बनाकर नाबाद रहे। मैच के बाद गौतम गंभीर और एमएस धोनी ने हाथ मिलाया और एक-दूसरे से गले मिले। इस पल का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि गंभीर के बयान से कई बार हलचल मची है। गंभीर को कहते हुए सुना गया है कि एमएस धोनी को 2011 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए अकेले श्रेय नहीं दे सकते हैं। हालांकि, गंभीर कई बार स्पष्ट भी कर चुके हैं कि वो एमएस धोनी की काफी इज्जत करते हैं। गंभीर का कहना है कि 2011 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का श्रेय पूरी टीम को जाना चाहिए। कई बार गंभीर के बयान को अलग-अलग तरह से लिया गया और माना जाता है कि धोनी और गंभीर के बीच प्रतिद्वंद्विता है। हालांकि, चेन्नई और केकेआर के बीच मैच के बाद जिस तरह दोनों के गले लगने से फैंस के बीच संदेह खत्म हो सकता है कि दोनों के बीच रिश्तों में कोई दरार है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मेंडिस और मैया को मिला

दुबई । आईसीसी के मार्च महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड पुरुष वर्ग में श्रीलंका क्रिकेट टीम के कामिंदु मेंडिस और महिला वर्ग में इंग्लैंड की मैया बाउचर को मिला है। मेंडिस को ये अवार्ड टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर मिला है। मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में 102 रन और दूसरी पारी में 164 रन बनाए थे। उन्होंने इस अवार्ड की दौड़ में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मैट हेनरी और आयरलैंड क्रिकेट टीम के मार्क अडायर को पीछे छोड़ा। इस अवार्ड से उत्साहित मेंडिस ने कहा, मैं आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेहद खुश हूं, इसे मैं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए प्रेरणादायक मानता हूं। इस तरह की मान्यता हमें एक खिलाड़ी के रूप में टीम, देश और प्रशंसकों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अधिक से प्रेरित करती है। वहीं महिला क्रिकेटर मैया बाउचर को न्यूजीलैंड में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार मिला है। इस खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 223 रन बनाए थे। उसने मार्च में 4-1 से टी20 सीरीज जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। इस महिला क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया की एलेसे गार्डनर और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार जीता है।

मयंक 12 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नहीं खेलेंगे

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 12 अप्रैल को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में नहीं खेलेंगे। मयंक का बाहर होना लखनऊ के लिए करारा झटका है क्योंकि इस गेंदबाज ने इस सत्र में अपनी गेंदबाजी से विरोधी टीमों बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया था। मयंक पेट की मांसपेशियों में आये खिंचाव के कारण 12 अप्रैल पर घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में नहीं खेलेंगे। लखनऊ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि मयंक की चोट पर डॉक्टरों का एक पैनल नजर रख रहा है। टीम के मुख्य कार्यकारी विनोद बिष्ट ने कहा, '' मयंक को पेट के निचले हिस्से में दर्द महसूस हुआ और एहतियात के तौर पर हम अगले सप्ताह तक उसे आराम देंगे। हमें उम्मीद है कि वह शीघ्र ही मैदान पर वापसी करेंगे। '' इस बयान से साफ है कि मयंक ईडन गार्डन्स में केकेआर के खिलाफ 14 अप्रैल में होने वाले मैच से भी बाहर रहेंगे। तेज गेंदबाजों के पेट के निचले हिस्से की चोटों को ठीक होने में अधिक समय लगता है, ऐसे में देखना होगा कि वह कब तक मैदान पर वापसी करने में सफल रहते हैं। मयंक गुजरात टाइटंस के खिलाफ पारी के चौथे ओवर में भी गेंदबाजी करने उतरे पर वह अपने ओवर में केवल दो बार ही 140 किमी प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से गेंदबाजी कर पाये, इसके बाद वह फिजियो के साथ बाहर चले गये। उन्होंने अपने इस ओवर में 13 रन दिये। वह इसी चोट के कारण रणजी ट्रॉफी सत्र के दौरान भी नहीं खेल पाये थे।

मुस्तफिजुर पर्पल कैप की दौड़ में फिर नंबर एक पहुंचे, चहल दूसरे नंबर पर खिसके

ऑरेंज कैप के लिए विराट पहले नंबर पर कायम

चेन्नई ।

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान एक बार फिर पर्पल कैप की रेस में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। मुस्तफिजुर ने केकेआर के खिलाफ मुकाबले में दो विकेट लेकर एक बार फिर लीग में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। इस प्रकार मुस्तफिजुर ने नंबर एक पर रहे युजवेन्द्र चहल को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। मुस्तफिजुर बीच के दौर में निजी कारणों से स्वदेश लौट गये थे। इस कारण वह नंबर एक स्थान से फिसल गये थे पर वापसी के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन से अपना खोया स्थान हासिल कर लिया है। रहमान के नाम एक हफ्ते पहले भी आईपीएल 2024 का पर्पल कैप था. इसके बाद वे निजी कारणों से स्वदेश लौट गए थे. इसका फायदा युजवेंद्र ने उठाया और वे टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. लेकिन मुस्तफिजुर ने लीग में वापसी करते ही एक बार फिर पर्पल कैप को अपने नाम कर ली है। मुस्तफिजुर ने 4 मैच में 9 विकेट लिए हैं जबकि चहल ने 4 मैच में 8 विकेट लिए हैं। जबकि मोहित शर्मा, खलील अहमद और कोएट्जी 7-7 विकेट लेकर संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं चेन्नई की ओर से रवींद्र जडेजा और तुषार पांडे भी पर्पल कैप की रेस में हैं। जडेजा और तुषार ने सीएसके के खिलाफ 3-3 विकेट लिए थे। अपने गेंदबाजों के इस प्रदर्शन से चेन्नई सुपरकिंग्स ने कोलकाता नाइटराइडर्स को 9 विकेट पर 137 के स्कोर पर रोक दिया। केकेआर की ओर से कप्तान श्रेयस अय्यर ने सबसे अधिक 34 रन बनाए। वहीं अगर सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की बात करें तो उसके लिए आरसीबी के विराट कोहली सबसे आगे हैं। विराट ने अब तक 5 मैच में सबसे अधिक 316 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन हैं। उन्होंने 5 मैच में 191 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए मुख्य कोच बने अजहर महमूद

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 अप्रैल से शुरू हो रही घरेलू सीरीज के लिए अजहर महमूद को अंतरिम मुख्य कोच की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। महमूद अभी ब्रिटेन में बसे हैं और इंग्लैंड तथा वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मान्यता प्राप्त कोच हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच और सईद अजमल स्पिन गेंदबाजी कोच होंगे। वहीं जून में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए अजहर को सभी प्रारूपों के लिए टीम का सहायक कोच बनाया जा सकता है। पिछले कुछ समय में पीसीबी में आये बदलाव के बाद शाहीन शाह अफरीदी को टीम की कप्तानी से हटाकर बाबर आजम को फिर से टीम की कमान सौंप दी गयी थी। टी20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त रूप से अमेरिका और वेस्टइंडीज करेंगे। वहीं पीसीबी ने अभी तक विदेशी कोचों ऑस्ट्रेलिया के जैसन गिलेस्पी और दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन के साथ किसी करार की घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि गिलेस्पी टेस्ट क्रिकेट में मुख्य कोच होंगे जबकि कर्स्टन सफेद गेंद के प्रारूप में वह जिम्मेदारी संभालेंगे। ऐसे में तीनों प्रारूपों में महमूद को सहायक कोच बनाया जा सकता है।

कार्यकारी परिषद पर भड़की आईओए अध्यक्ष उषा

नई दिल्ली । भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा है कि कार्यकारी परिषद अब मनमानी पर उतर आई है। उषा ने कहा कि जिस प्रकार से परिषद ने मिलकर मेरे सहायक को हटाया है। वह नियमों के खिलाफ है। इससे पहले कार्यकारी परिषद ने मुख्यालय की दीवारों और दरवाजों पर एक नोटिस भी लगा दिया था। इसमें कहा गया था कि अनधिकृत व्यक्तियों को मुख्यालय में प्रवेश का अधिकार नहीं है। उषा ने कहा कि इस प्रकार के नोटिस को तत्काल प्रभाव से हटाया जाना चाहिये। गौरतलब है कि परिषद के अधिकतर सदस्य मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ.) के रूप में उषा के रघुराम अय्यर को नियुक्ति किये जाने के विरोध में हैं। वहीं उषा का कहना है कि रघुराम अपने पद पर बने रहेंगे। उषा ने परिषद के विद्रोही सदस्यों को भेजे अपने जवाब में कहा कि अभी भी वे एक टीम के तौर पर उनका सहयोग नहीं कर रहे हैं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार के कदम परिषद उठा रही है। उससे लगता है कि मुझे एक तरफ करने का प्रयास है। साथ ही कहा कि कर्मचारियों की भर्ती और बर्खास्तगी सहित दिन-प्रतिदिन के प्रशासनिक कार्य कार्यकारी परिषद के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। इसकी जगह परिषद को मिलकर काम करने का प्रयास करना चाहिये। उषा ने कहा कि उन्हें कार्यकारी परिषद. पर पूरा भरोसा है और उन्हें नियुक्त करने के निर्णय से पीछे नहीं हटेंगी।

मेरा लक्ष्य मैच जीतना रहता है : बाबर आजम

स्ट्राइट रेट पर ज्यादा ध्यान नहीं देता

लाहौर ।

सीमित ओवरों के लिए एक बार फिर पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तान मिलने से उत्साहित बाबर आजम ने कहा है कि वह एक अलग प्रकार के खिलाड़ी हैं। इसलिए उनकी तुलना किसी अन्य से नहीं की जानी चाहिये। वहीं कम स्ट्राइट रेट के कारण हो रही आलोचनाओं को लेकर आजम ने कहा कि उनका लक्ष्य मैच जीतना रहता है, इसलिए अन्य बातों पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि मैं एक अलग खिलाड़ी हूं और मैदान पर स्थिति के अनुसार अपने को ढाल लेता हूं। क्रिकेट आजकर बहुत तेज होने लगा है पर मैच जीतना ही मेरा अंतिम लक्ष्य रहता है। बाबर ने साथ ही कहा कि मैं इस बात पर ध्यान केंद्रित करता हूं कि पारी को आगे बढ़ार किया प्रकार मैच कैसे जीते जायें। साथ ही कहा कि मैच बनाना और पारी खेलना अलग-अलग चीजें होती हैं। मैच जिताने में ये दोनों चीजें शामिल रहती हैं। इसमें इस बात का ध्यान रखना होता है कि शुरुआत से अंत तक के ओवर किस प्रकार खेलने होते हैं। साथ ही कहा कि , मैं अपने खेल को समझता हूं। मैं जानता हूं कि मुझे किस प्रकार के स्ट्रोक्स लगाते हुए मैच आगे बढ़ाना है। ये काफी कुछ हालातों पर भी आधारित रहता है। अगर हालात अच्छे रहते हैं तो मैं खुलकर खेलता हूं पारी को बढ़ना है तो

रुककर खेलता हूं। साथ ही कहा कि अगर हमारे पास विकेट हैं तो हम ज्यादा स्ट्राइक रेट से भी खेल सकते हैं। इसलिए सबसे अधिक अहम ये है कि मैच में हम किस हालत में हैं। विकेट हाथ में हों तो तेजी से खेलकर स्ट्राइक रेट बनाया जा सकता है।

केकेआर पर जीत के साथ ही सीएसके अंक तालिका में चौथे नंबर पर पहुंची

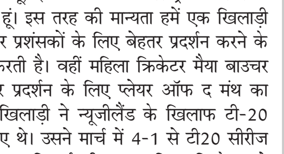

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2024 सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया है। सीएसके के अब 6 अंक हो गए हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स 8 अंक लेकर पहले नंबर पर पहुच गयी है। सीएसके ने इस मैच में टॉस जीतकर केकेआर को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। सीएसके के गेंदबाजों ने अपने कप्तान के फैसले को सही करार देते हुए केकेआर को 9 विकेट पर 137 रन ही बनाने दिये। केकेआर की ओर से कप्तान श्रेयस अय्यर ने सबसे अधिक 34 रन बनाए। वहीं सुनील नरेन ने 27 और अंगकृष रघुवंशी ने 24 रन बनाए। रमनदीप सिंह 13, आंद्रे रसेल 10 और रिंकू सिंह ने 9 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 138 रन के लक्ष्य को हासिल करने में सीएसके को परेशानी हुई पर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के 67 रनों की सहायता से उसने जीत दर्ज कर ही ली। सीएसके की ओर से शिवम दुबे ने 28, डेरिल मिचेल ने 25 और रचिन रवींद्र ने 15 रन बनाये। सीएसके ने ये मैच 17.4 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर जीता। केकेआर को इस मैच में आईपीएल 2024 सत्र की पहली हार मिली। सीएसके की ओर से तुषार पांडे और रवींद्र जडेजा ने 3-3 विकेट लिए। वहीं जडेजा ने भी अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लिया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 2 विकेट लिए।

फर्जी डिप्टी कलेक्टर बनी महिला ने उड़ाए 12.38 लाख के गहने

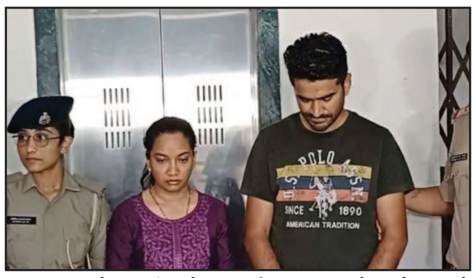

सूरत । शहर में एक महिला ने खुद को डिप्टी कलेक्टर बताकर एक आभूषण की दुकान से 12.38 लाख रुपये के गहने उड़ा लिए। महिला ने दुकानदार को मीठी-मीठी बातों में फंसाया और चेक देकर गहने खरीद लिए। जब चेक बाउंस हुआ तो दुकानदार को ठगी का पता चला।

31 मार्च को, हेतलकुमारी नामक एक महिला सूरत के मान दरवाजा इलाके में स्थित चामुंडा ज्वैलर्स की दुकान पर गई। उसने खुद को गांधीनगर में डिप्टी कलेक्टर बताया और कहा कि उसका मोबाइल चोरी हो गया है। उसने दुकानदार को पुलिस में दर्ज शिकायत की कॉपी भी दिखाई।

महिला ने 12,38,310 रुपये के सोने के आभूषण खरीदे और बैंक का चेक दिया। दुकानदार ने चेक लेकर आभूषण दे दिए। जब दुकानदार ने चेक बैंक में जमा किया तो वह तीन दिन बाद रिटर्न हो गया। दुकानदार ने हेतलकुमारी से संपर्क किया तो उसने कहा कि उसके खाते में पैसा है। दुकानदार ने बैंक और गांधीनगर में जांच कराई तो पता चला कि हेतलकुमारी नाम की कोई डिप्टी कलेक्टर नहीं है।

दुकानदार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की और हेतलकुमारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में पता चला कि हेतलकुमारी ने नवसारी और व्यारा में भी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की थी। अनुमान है कि 10 से ज्यादा लोग उसकी ठगी का शिकार हो चुके हैं।

पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति पर विश्वास न करें और लेनदेन के दौरान सावधानी बरतें।

सूरत में नागाबावा बनकर धुर्त कार से उतरा और पता पूछने के नाम पर गहने उतरवा लिए

सूरत। बावा-साधु के नाम पर लोगों को डराया और ठगा जा रहा है। ऐसे सूरत के जहांगीरपुरा इलाके में सुबह मंदिर में दर्शन करने गए वरिष्ठ नागरिक को प्रकोप का भय सता रहा था। बाद में उसके शरीर के आभूषण उतार दिये गये। फिर भगोड़े के सीसीटीवी के आधार पर चौंकाने वाला अपराध सुलझाया गया।

पिछले जनवरी में एक बूढ़ा व्यक्ति जहांगीरपुरा इलाके में एक मंदिर में जा रहा था। इस बीच, धुर्त नागाबावा के भेष में कार में चढ़ गया और बूढ़े व्यक्ति से मंदिर का पता पूछा। बाद में बातों-बातों में उसे सम्मोहित कर लिया। साथ ही गुस्सा दूर करने के लिए गहने उतारने को भी कहा। तो बूढ़े ने अपना गुस्सा उतारने के लिए अपने गहने उतार दिए। फिर धुर्त और ड्राइवर गहने लेकर भाग गए। पूरी घटना से वाकिफ वृद्ध ने शरीर पर गहने न होने पर मुकदमा दर्ज कराया। हालांकि, शुरुआती स्तर पर आरोपी के बारे में कोई सबूत नहीं मिला। लेकिन कार सीसीटीवी में कैद हो गई क्योंकि आरोपी हर अपराध के पीछे अपना पग डाल रहा था। तो ये लूट-धोखाधड़ी का पूरा रेला देहगाम तक पहुंच गया। जहां से मदारी कॉम के मुख्य आरोपी को पकड़ लिया गया। हालाँकि, मदारी ने अपनी कार को कपड़े से ढक दिया। लेकिन जैसे ही यह कपड़ा हटाया गया तो आरोपी का चेहरा भी सामने आ गया। पता चला है कि यह मदारी पहले भी कई लोगों को ठग चुका है।

सूरत के सबसे बड़े वीआर मॉल को धमकी मिलने के बाद उमरा पुलिस ने खाली करा लिया। मॉल में बम की धमकी मिलने के बाद पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई। सूरत सिटी, सूरत ग्रामीण और नवसारी पुलिस की 3 टीमें मॉल में जांच में शामिल थीं. मॉल में सुबह 3.30 बजे से जांच शुरू हुई, जो देर रात 8.30 घंटे तक चली. पांच घंटे में पुलिस ने मॉल का कोना-कोना छान मारा। हालांकि, पुलिस की जांच में बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। अब साइबर सेल इस मामले की जांच करेगी और मेल के स्रोत तक पहुंचेगी।

शार्प ने भारत में अपना फोकस बढ़ाने के उद्देश्य से सुजाई करमपुरी को नियुक्त किया अध्यक्ष

शार्प ने अपने भारतीय कारोबार के लिए सुजाई करमपुरी को 1 मार्च, 2024 को अध्यक्ष नियुक्त किया। अपनी नई भूमिका के तहत, सुजाई करमपुरी डिस्प्ले बिज़नेस का नेतृत्व करेंगे और भारत में शार्प की ब्रैंड उपस्थिति को बढ़ाने में योगदान देंगे। और सबसे महत्वपूर्ण, वे शार्प के उन्नत इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, कंपोनेंट्स और सॉल्यूशंस की मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

श्री करमपुरी के पास विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रेटेजिक बिज़नेस और टेक्नोलॉजी विकास में एक विशिष्ट रिकॉर्ड है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, ब्रॉडबैंड और वायरलेस कम्युनिकेशन्स जैसे नाम शामिल हैं। वे भारत में डिस्प्ले के क्षेत्र में शार्प की उपस्थिति का विस्तार करने और साथ ही शार्प के कंज्युमर इलेक्ट्रॉनिक्स के ब्रैंड बिज़नेस को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे मैन्युफैक्चरिंग में साझेदारी की स्थापना, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्मार्टफोन कंपोनेंट्स के विकास, कैमरा मॉड्यूल्स, टीवी पैनल्स, सटीक इंजीनियरिंग समाधान, सेंसर्स और सेमीकंडक्टर्स के विकास में भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

श्री करमपुरी के पास तेलंगाना राज्य सरकार के अंतर्गत नेतृत्व करने का व्यापक अनुभव है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के डायरेक्टर, टी-वर्क्स के सीईओ और तेलंगाना फाइबर ग्रिड कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर की भूमिकाएँ शामिल हैं। श्री करमपुरी की नियुक्ति भारत में शार्प के लिए न सिर्फ उत्तम साझेदारी, बल्कि नवाचार और विकास के एक नए युग की भी शुरुआत करती है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, रॉबर्ट वू, सीईओ, शार्प, ने कहा, "भारत में शार्प के अध्यक्ष के रूप में श्री करमपुरी की नियुक्ति के साथ, हम भारत में अपने प्रीमियम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के दीर्घकालिक विस्तार की प्रतिबद्धता को पुनः परिभाषित कर रहे हैं। वे भारत में हमारी मुख्य टेक्नोलॉजीस की मैन्युफैक्चरिंग और हस्तांतरण में एक प्रतिबद्ध भागीदार की भूमिका निभाएँगे। इसके अतिरिक्त, वे इंजीनियरिंग में शार्प की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, एक विश्व स्तरीय डिस्प्ले फैब स्थापित करने में भी योगदान देंगे।"

ओसामु नरीता, मैनेजिंग डायरेक्टर, शार्प बिज़नेस सिस्टम्स (इंडिया), ने कहा, "हमें शार्प इंडिया के अध्यक्ष के रूप में श्री करमपुरी का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण भारत में ग्राहकों को नवीन समाधान प्रदान करने के शार्प के मिशन के साथ सहजता से मेल खाता है। शार्प कॉर्पोरेशन को विश्वास है कि श्री करमपुरी के नेतृत्व में, भारत में हमारे व्यवसाय का तेजी से विस्तार होगा, जिससे निश्चित ही भारत के गतिशील व्यवसाय और टेक्नोलॉजी के परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कंपनी के रूप में हमें मजबूती मिलेगी।"

विशेष आभार व्यक्त करते हुए, श्री करमपुरी ने कहा, "ऐसे महत्वपूर्ण समय के दौरान, शार्प में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाना मेरे लिए वास्तव में सौभाग्य की बात है। शार्प के पास विभिन्न उद्योगों में प्रमुख तकनीकी प्रगति का ट्रैक रिकॉर्ड है। ऐसे में, कंपनी के साथ संयुक्त दृष्टिकोण के रूप में, मैं उम्मीद करता हूँ कि भारत में इसकी सफलता में मेरा योगदान सराहनीय होगा। हम शार्प के ईमानदारी और रचनात्मकता के मूल मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। और मेरा मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स, डिस्प्ले, सेमीकंडक्टर और सटीक इंजीनियरिंग में विकास और वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत की आकांक्षाओं के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। मैं दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने के लिए भारत में समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ काम करने को लेकर बेहद उत्सुक हूँ।"

महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल

सुरत भुमि, सूरत। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में स्कूल में प्रवेश पाने वाले बच्चों के अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया गया। जिसमें दाखिला अभिभावकों को स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई। स्कूल ने कहा कि जब भी कोई माता-पिता अपने बच्चे को स्कूल करवाते हैं, तो उनके मन में बच्चों का उज्ज्वल भविष्य होता है। प्रत्येक माता-पिता को यह जानकारी देने के लिए कि वे अपने बच्चे को किस स्कूल में ले जा रहे हैं, कर्मचारी और शिक्षक कैसे हैं, बच्चों के समग्र विकास के लिए पढ़ाई के अलावा स्कूल में किस तरह की गतिविधियाँ की जाती हैं इससे अभिभावक रूबरू हो सके इस उद्देश्य के साथ ओरिएंटेशन दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 130 से अधिक

एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के मावजीभाई सवाणी के आवास पर जगद्गुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज का भव्य स्वागत

सूरत। द्वारका शारदापीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामीश्री सदानंद सरस्वती चैत्री नवरात्रि के अवसर पर सूरत शहर में पहुंचे हैं। जगतगुरु शंकराचार्य श्री सदानंद सरस्वतीजी महाराज चैत्री नवरात्रि के पहले दिन एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन मावजीभाई सवाणी के पिपलोद निवास पर पहुंचे।

मावजीभाई सवानी, धर्मेशभाई सवानी, पूर्वीबेन सवानी और एलपी सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के पूरे सवानी परिवार ने जगतगुरु शंकराचार्य श्री सदानंद सरस्वतीजी महाराज का भव्य स्वागत किया। नवरात्रि के शुभ दिन पर, सावनी परिवार के सदस्यों ने आदि शंकराचार्यजी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर सूरत शहर के धार्मिक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और इस अवसर का आनंद लिया।

द्वारका शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वतीजी महाराज नौ अप्रैल से 17 अप्रैल तक नौ दिनों के लिए नवरात्र अनुष्ठान, सत्संग प्रवचन एवं दर्शनार्थे के लिए सूरत के अडाजण पाल रोड स्थित बंगले पर पहुंच गए हैं।

दादी परिवार पैनल की भव्य जीत श्री राणी सतीजी मंदिर कार्यकारिणी चुनाव संपन्न

सुरत भुमि, सूरत। श्री राणी सतीजी मंदिर की कार्यकारिणी के लिए दस सदस्यों के चुनाव रविवार को संपन्न हुए। जिसमें दादी परिवार पैनल की भव्य जीत हुई। पैनल के सभी दस सदस्य भारी बहुमत से विजयी हुए। चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश सौंथलिया और केदारनाथ अग्रवाल ने बताया कि सुबह ग्यारह बजे से शाम चार बजे तक मतदान हुआ। उसके बाद मतगणना हुई। चुनाव में कुल 633 मतदारो में से 537 मत गिरे जिसमे 30 मत रद्द हुए। विजेताओं में विश्वनाथ पचेरिया को सर्वाधिक (359) एवं अन्य अजय अग्रवाल (317) अजय पाटोदिया (340), नवीन अग्रवाल (313), संतोष काँवाटिया (342), सूरज जालान (334), विकास तुलस्यान (335), विमल फतेहपुरिया (348), विनय अग्रवाल (330), विशाल बुधिया (318) को मत मिले । चुनाव में दादी सेवक परिवार पैनल के सभी सदस्य हार गये। चुनाव अधिकारियों ने सभी व्यवस्था एवं सुचारू मतदान के लिया सभी का आभार व्यक्त किया।

वर्ल्ड हेल्थ डे पर हेल्थ हाउसी का हुआ आयोजन

सूरत। ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस ग्रुप (बी कैग) द्वारा वर्ल्ड हेल्थ डे पर रविवार को हैल्थ हाउसी का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के पंचवटी हॉल में किया गया। आयोजन में ग्रुप के डॉ. मुकेश पराशर ने स्वरचित स्वास्थ्य कविताओं से हाउसी खिलाई एवं लोगों को फिटनेस के लिये एक्सरसाइज़ करवाई। बी कैग की संस्थापक पूनम पराशर ने बताया कि कैंसर पीड़ित मरीज़ों की सहायता के लिए इसका आयोजन किया गया। आयोजन में प्रमोद पोद्दार एवं बबीता पोद्दार मुख्य अतिथि के रूपए उपस्थित रहें। आयोजन में स्वस्थ दिनचर्या पर आधारित गीत "आओ हम सब मिलकर भारत स्वस्थ बनाते हैं" गाया गया एवं हेल्थी लाइफस्टाइल पर आधारित पुस्तक हेड टू टोय का विमोचन किया गया। इस मौक़े पर अनेकों लोग उपस्थित रहें।

सैमसंग ने भारत में श्रेणी में अग्रणी सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, शक्तिशाली प्रोसेसर और स्टाइलिश डिज़ाइन के साथ गैलेक्सी M 55 5G, गैलेक्सी M 15 5G लॉन्च किया

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज दो शानदार डिवाइस, गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G को लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें कई सेगमेंट में अग्रणी फीचर्स मौजूद हैं। बेहद लोकप्रिय गैलेक्सी रू सीरीज़ में शामिल किए गए ये नए स्मार्टफोन यूजर्स को सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, शानदार बैटरी और शक्तिशाली प्रोसेसर के साथ स्मार्टफोन का एक बेहतर अनुभव देते हैं।

इस मौके पर सैमसंग इंडिया के एमएक्स डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा "सैमसंग की सोच के मुताबिक, हम नए गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G के साथ इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे दो शानदार डिवाइस जो युवा उपभोक्ताओं के अंतहीन जुनून को शक्ति देने के लिए तैयार हैं। सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, स्टाइलिश स्लीक डिज़ाइन, शक्तिशाली स्नैपड्रैगन प्रोसेसर और चार जेनरेशन के ओएस अपग्रेड और पांच साल के सिक्योरिटी अपडेट के बेजोड़ वादे सहित कई सेगमेंट-अग्रणी फीचर्स के साथ, हम गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G के जरिए ग्राहकों को एक बेहतरीन अनुभव देंगे।"

आइकॉनिक डिज़ाइन: गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G में आइकॉनिक गैलेक्सी सिग्नेचर डिज़ाइन है, जो इसे सुंदरता और भव्यता प्रदान करता है। गैलेक्सी M55 5G बेहद पतला और हल्के वजन का है। इसकी चौड़ाई केवल 7.8 मिमी है जो इसे इस्तेमाल करने के लिए बहुत एर्गोनोमिक बनाती है। गैलेक्सी M55 5G दो नए रंगों - लाइट ग्रीन और डेनिम ब्लैक में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी M15 5G तीन स्टाइलिश रंगों में उपलब्ध होगा जिसमें सेलेस्टियल ब्लू, स्टोन ग्रे और ब्लू टोपाज शामिल हैं।

जबरदस्त प्रदर्शन: गैलेक्सी M55 5G 4nm-आधारित क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7 Gen1 प्रोसेसर पर चलता है जो इसे फास्ट और पावर एफिशिएंट बनाता है, जिससे आप आसानी से एक साथ कई काम कर सकते हैं। यह प्रोसेसर हाई क्वालिटी ऑडियो और विजुअल के साथ ही हाई-स्पीड कनेक्टिविटी सहित एक शानदार मोबाइल गेमिंग अनुभव प्रदान करता है। 5G की तेज गति और कनेक्टिविटी के साथ यूजर जहां भी जाएंगे, पूरी तरह से कनेक्टेड रह सकेंगे। इस पर उन्हें तेज डाउनलोड, स्मूथ स्ट्रीमिंग और ब्राउज़िंग का अनुभव मिलेगा। गैलेक्सी M15 5G मीडियाटेक डाइमेंशन 6100+ द्वारा संचालित है, जो मुश्किल कामों को आसानी से संभालने में सक्षम है।

बड़ी बैटरी: गैलेक्सी M55 5G में 5000 एमएएच की बैटरी दी गई है जो ब्राउजिंग, गेमिंग और बिंज वॉचिंग के लंबे सेशन को आसान बनाती है। गैलेक्सी M55 5G 45W सुपर-फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है, जिससे यूजर को कम समय में ज्यादा बिजली मिलती है। गैलेक्सी M15 5G में सेगमेंट की बेस्ट 6000 एमएएच बैटरी दी गई है जो स्मार्टफोन को दो दिनों तक पावर दे सकता है। इससे यूजर अपने पसंदीदा मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं और अपने को पूरे दिन कनेक्टेड और प्रोडक्टिव बनाए रख सकते हैं।

सैमसंग 17 अप्रैल को भारत में एआई टीवी की एक नई रेंज लॉन्च करेगा

गुरुग्राम । भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग 17 अप्रैल, 2024 को कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित टेलीविजन की अपनी नई रेंज लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

एआई टेलीविज़न का आगामी लॉन्च इस साल की शुरुआत में सैमसंग की बड़ी एआई-संबंधित घोषणा के बाद हुआ है। सैमसंग ने जनवरी में गैलेक्सी एस24 सीरीज़ के साथ अपने स्मार्टफोन के लिए गैलेक्सी एआई और इस हफ्ते की शुरुआत में अपने घरेलू उपकरणों के लिए बेस्पोक एआई लॉन्च किया था।

सैमसंग की Neo QLED 8K सीरीज, Neo QLED 4K सीरीज और QLED सीरीज इस साल AI द्वारा संचालित होने की संभावना है।

सैमसंग ने भारत में अपने एआई टीवी की नई रेंज खरीदने के इच्छुक ग्राहकों से शुरुआती ऑर्डर लेना भी शुरू कर दिया है। ग्राहक Samsung.com और Samsung Shop ऐप पर 5000 रुपये का भुगतान करके सैमसंग के नए AI टीवी को प्री-ऑर्डर कर सकते हैं। जो ग्राहक सैमसंग के नए एआई पावर्ड टीवी का प्री-ऑर्डर करते हैं, वे अपनी खरीदारी पर विशेष ऑफर तक अर्ली एक्सेस के पात्र होंगे।

जो ग्राहक Neo QLED 8 K सीरीज (75 इंच और इससे ऊपर) को प्री-ऑर्डर करेंगे, उन्हें रु.15000 वहीं, Neo QLED 4K और OLED सीरीज को प्री-ऑर्डर करने वाले ग्राहकों को खरीदारी पर 10000 रुपये का फायदा मिलेगा।

सैमसंग का नया नियो QLED 8K टीवी प्रीमियम व्यूइंग अनुभव, वैयक्तिकृत अनुभव, ऊर्जा की बचत और अल्ट्रा-इमर्सिव ऑडियो और पावर ऑडियो सुविधाओं के साथ नवीन सुविधाएँ प्रदान करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)